।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 240

नर्मदापुरम

शुक्रवार, 13 जून 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान दुर्घटनाग्रस्त, इमारत पर गिरने से भारी तबाही

अहमदाबाद में बड़ा विमान हादसा, 241 की मौत, पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री ने जताया शोक

अहमदाबाद ■ एजेंसी

गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान गुरुवार दोपहर को सरदार पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह जिस इलाके में गिरा वहां भी भारी तबाही हुई। विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिनके बचने की कोई उम्मीद नहीं है। नागर विमानन महानिदेशालय ने इस हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 241 यात्रियों की मौत होने की खबर है। साथ ही गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी हादसे में निधन हो गया है।

दुर्घटनास्थल पर व्यापक स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अहमदाबाद के लिए रवाना हुए। इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री समेत तमाम नेताओं ने इस पर दुख जताया है।

एअर इंडिया का यह विमान टेक ऑफ करते ही हवाई अड्डे के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त होकर मेघानी नगर इलाके के एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की बिल्डिंग पर गिरा। इसमें कई छात्रों की मौत की आशंका है। कैप्टन सुमित सभरवाल, सह पायलट क्लाइव कुंदर के साथ विमान उड़ा रहे थे। विमान में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। इन यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक है। यात्रियों की सूची में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी नाम है।

एअर इंडिया के मुताबिक, बोइंग 787-8 दोपहर 13 बजकर 38 मिनट पर टेक ऑफ हुई थी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अनुसार, उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद विमान के पायलट ने एटीसी को 'मेडे' यानी गंभीरतम आपातस्थिति का संकेत दिया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गयी कॉल पर विमान से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी। इसके तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे के निकट के इलाके में गिर गया और दुर्घटनास्थल से काले धुएं के गुबार निकलने लगे।

विमान ने टेकऑफ करने के बाद महज 625 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरी लेकिन इसके बाद विमान 400 फीट प्रति सेकेंड की गति से नीचे आने लगा और 60-70 सेकेंड के भीतर दुर्घटनाग्रस्त विमान अहमदाबाद के मेघानी नगर इलाके के एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की बिल्डिंग पर गिरा। भीषण विस्फोट के साथ विमान जलकर राख हो गया। दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा गया। यहां भी कई छात्रों के मौत की आशंका है।

एअर इंडिया की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट पर दी गई जानकारी के मुताबिक यात्रियों के लिए हेल्पलाइन नंबर 1800 5691 444 शुरू किया गया है। समर्पित यात्री हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 के अलावा, विदेशी नागरिकों के लिए एक और हॉटलाइन नंबर +91 8062779200 जोड़ा है।

एयर इंडिया ने मीडियाकर्मियों से अनुरोध किया है कि वे समर्पित यात्री हॉटलाइन नंबर पर कॉल न करें। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एयर इंडिया विमान दुर्घटना की जांच करेगा।

मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ की सहायता राशि देगा टाटा संस

इस हादसे पर टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन शोक जताते हुए कहा- एयर इंडिया फ्लाइट 171 से जुड़ी दुखद घटना से हम बहुत दुखी हैं। इस समय हम जो दुख महसूस कर रहे हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और जो घायल हुए हैं। टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवारों को 1 करोड़ रु. की सहायता राशि देगा। हम घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त, हम बीजे मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेंगे। हम इस अकल्पनीय समय में प्रभावित परिवारों और समुदायों के साथ खड़े हैं।

घटनास्थल पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु और गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी भी हैं। गृह मंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली और घायलों के उपचार, मलबा हटाने तथा लापता लोगों की तलाश को लेकर निर्देश दिए।

पीएम मोदी ने अमित शाह, राम मोहन नायडू से की बात

अहमदाबाद विमान हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने उनसे अहमदाबाद जाने के लिए कहा है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विमान दुर्घटना के बाद प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जाए। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से बात की और अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना की घटना का जायजा लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्री को निर्देश दिया है कि वे सभी आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराएं और स्थिति के बारे में नियमित रूप से अपडेट रहने को कहा है।

अंतर्मना उवाच

समय बहरा है कभी किसी की सुनता नहीं है.. फिर वो राजा हो या रंक, संत हो या फकीर, गरीब हो या अमीर.. लेकिन समय अंधा नहीं है, वो सबकी हरकतें देख रहा है..!

इसलिए अच्छे समय का इंतज़ार अच्छी बुद्धि और अच्छी सोच वाले नहीं करते। ***किसी ने प्रश्न पूछा - गुरुदेव आप अभी से इतनी तप साधना उपवास क्यों कर रहे हैं..?*** *अभी तो बहुत समय है।* ***हमने कहा - समझदार और बुद्धिमान लोग अच्छे समय और उम्र का इंतज़ार नहीं करते।*** *क्योंकि मनुष्य जीवन 83 लाख 99 हजार 9 सौ 99 योनियों में भटकने के बाद मिला है। मनुष्य जीवन के अलावा कीट, पतंगा, पशु, पक्षी और अनेक जीव जन्तु है जो मनुष्य जैसे भाग्यवान नहीं है, वे हतभागी हैं। क्योंकि उनके पास विवेक बुद्धि नहीं है।* ***मनुष्य जीवन पाकर भी यदि हम तप, त्याग, सत्कर्म, सेवा नहीं कर पाये तो मानकर चलना कि वे भविष्य में कीड़े मकोड़े, पशु पक्षी, वृक्ष, लता बनने की तैयारी कर रहे हैं।*** *मनुष्य जीवन पाकर जिसने तप, त्याग, संयम, सत्कर्म, सेवा, दान, परोपकार कर लिया, उसने मनुष्य जीवन की दुर्लभता का मूल्य वसूल लिया। अन्यथः मनुष्य होकर हम मनुष्य का जीवन नहीं जी पा रहे हैं।*

साधु संत, त्यागी, व्रती बनने के बाद भी हम साधु संत, त्यागी, व्रती का जीवन नहीं जी पा रहे हैं तो मानना हमारे लिये 83 लाख, 99 हजार 9 सौ 99 योनि फिर से जन्म लेने का इन्तजार कर रही है। इसलिए -

अच्छे समय का इंतज़ार मत करो, जो समय मिला है उसका ही सदुपयोग करो...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

गर्मी का प्रचंड प्रहार, दिल्ली में पारा 45 डिग्री पार और अहसास 45 डिग्री सा, जानलेवा गर्मी, लू के रेड अलर्ट के बीच अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज भरी दोपहरी में सामायिक करते हुए..

जाको राखे साइयां... अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जिंदा बचे विश्वाश

अहमदाबाद। जब आंख खुली, तो चारों ओर लाशें ही लाशें थींज्मैं डर गया। खड़ा हुआ और बस दौड़ने लगा... ये शब्द हैं 40 वर्षीय विश्वाश कुमार रमेश के हैं. रमेश अहमदाबाद में गुरुवार को हुए भीषण एयर इंडिया विमान हादसे में चमत्कारिक रूप से जिंदा बच गए हैं. लंदन जाने वाली फ्लाइट में सवार 242 लोगों में वे इकलौते हैं जो इस समय अस्पताल में जीवित पाए गए हैं. विश्वाश ने बताया, टेकऑफ के करीब 30 सेकंड बाद जोरदार आवाज आई और फिर विमान जमीन से टकरा गया. सब कुछ इतना तेज हुआ कि समझने का मौका ही नहीं मिला उनके सीने, आंखों और पैरों में गंभीर चोटें हैं. लेकिन वे होश में हैं और बात कर पा रहे हैं. अहमदाबाद के सिविल अस्पताल, असारवा के जनरल वार्ड में जब पत्रकारों ने उनसे बात की तो वे कांपते शब्दों में हादसे का मंजर बयां कर रहे थे. रमेश कुमार विश्वाश ब्रिटिश नागरिक हैं और पिछले कुछ दिनों से भारत में अपने परिवार से मिलने आए थे.

संविदा अधिकारी, कर्मचारियों का वेतन 2.94% बढ़ा, डेढ़ लाख कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश के संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन में 2.94 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वित्त विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। संविदा पर काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन में वृद्धि का फायदा एक अप्रेल 2025 की स्थिति में दिया जाएगा। यह वेतन (पारिश्रमिक) वृद्धि पिछले साल के मुकाबले कम है। प्रदेश में डेढ़ लाख संविदा अधिकारी, कर्मचारी हैं, जिन्हें यह फायदा मिलेगा।

वित्त विभाग द्वारा सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त, राजस्व मंडल अध्यक्ष, सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर कहा है कि संविदा पर नियुक्त अधिकारी, कर्मचारी के पारिश्रमिक में वार्षिक वृद्धि की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग के 22 जुलाई 2023 के सर्कुलर के आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की रिपोर्ट पर यह वृद्धि 2.94 प्रतिशत तय की गई है। यानी अब हर अधिकारी और कर्मचारी को 31 मार्च 2025 की स्थिति में

मिल रहे वेतन में 1 अप्रैल 2025 से 2.96 प्रतिशत बढ़ा हुआ वेतन मिलेगा।

महंगाई भत्ते के आधार पर मिले संविदा कर्मचारियों को वेतन वृद्धि - राठौर ने कहा कि महंगाई के आधार पर वृद्धि की मांग संघ द्वारा की जाती रही है लेकिन वित्त विभाग हमेशा श्रम विभाग के मापदंडों के आधार पर वृद्धि करता है। इससे महंगाई के मुकाबले फायदा नहीं मिल पाता है। आज जो वृद्धि की गई है, उससे कर्मचारियों को 300 रुपए से 1500 रुपए तक की वेतन वृद्धि मिलेगी, जो नाम मात्र है। पहले यह वृद्धि दो हजार से आठ हजार तक होती थी।

रमेश राठौर बोले- यह पिछले साल से कम है

मध्य प्रदेश संविदा अधिकारी-कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर का कहना है कि प्रदेश में संविदा पर काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी का न्यूनतम वेतन 12 हजार से लेकर 65 हजार रुपए प्रति माह तक है। इसमें दो महीने से वृद्धि नहीं किए जाने पर उनके द्वारा शासन के संज्ञान में यह मामला लाया गया था। इसके लिए उन्होंने मई में शासन को ज्ञापन सौंपा था। इसके बाद यह बढ़ोतरी की गई है लेकिन यह पिछले साल से काफी कम है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि 3.78 प्रतिशत की गई थी। राठौर ने कहा कि संविदा वर्ग को उम्मीद थी कि इस बार सरकार 4 प्रतिशत तक की वृद्धि कर लाभ देगी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया है।

अहमदाबाद विमान हादसे में राजस्थान के 5 लोगों की मौत

अहमदाबाद। एअर इंडिया प्लेन क्रैश में राजस्थान के 5 लोगों की भी मौत हुई है। इनमें उदयपुर के मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी का बेटा शुभ और बेटी शगुन प्लेन में शामिल थे। वे लंदन घूमने जा रहे थे। इनके अलावा उदयपुर के वरदीचंद मेनारिया और प्रकाश मेनारिया भी इसी फ्लाइट में सवार थे। दोनों लंदन में कुक थे। प्लेन हादसे में बालोतरा के रहने वाले मदन सिंह राजपुरोहित की बेटी खुशबू की भी मौत हो गई है। खुशबू के पति लंदन में डॉक्टर हैं और वह उनके पास वापस जा रही थी।

विधायकों-सांसदों की ट्रेनिंग से पहले सुशासन भवन में सीएम का छह घंटे का मंथन

जो विभाग मुख्यमंत्री के पास, उनके कामकाज का हो रहा रिव्यू

भोपाल ■ प्रतिनिधि

पचमढ़ी में होने वाली सांसद, विधायकों की ट्रेनिंग के पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज उन विभागों की प्रोग्रेस जानी जो उन्हीं के पास हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में इसको लेकर राजधानी के अटल बिहारी सुशासन और नीति विश्लेषण स्कूल में बैठकों का दौर छह घंटे तक चलने वाला है। बैठक में खासतौर पर विभागों के कामकाज की समीक्षा मुख्यमंत्री ने की और जहां सीएम के प्राथमिकता वाले कामों में कमी आई है, उसे सुधार करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

सुशासन भवन में हो रही बैठक में मुख्यमंत्री विभाग वार रिव्यू भी कर रहे हैं।

बताया जाता है कि सीएम ने सामान्य प्रशासन विभाग से शासकीय सेवा में भर्ती के लिए जारी विज्ञापन और भर्ती प्रक्रिया का ताजा अपडेट भी लिया है। साथ ही पदोन्नति में रिजर्वेशन फार्मूले के बारे भी जानकारी ली है। इसके अलावा औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन, खनिज साधन, वन और पर्यावरण के अलावा गृह विभाग के कामकाज को लेकर भी बैठक में चर्चा हो रही है। वन और पर्यावरण विभाग के अधीन सिया की बैठकें नहीं हो पाने और इससे संबंधित विवाद के मामले में भी सीएम ने अफसरों से जानकारी ली है।

इन विभागों के अधिकारी रहे मीटिंग में मौजूद

मुख्यमंत्री डॉ यादव के पास जिन विभागों की जिम्मेदारी है उसमें सामान्य प्रशासन विभाग, गृह विभाग, जेल विभाग, नर्मदा घाटी विकास विभाग, वन और पर्यावरण विभाग, जनसंपर्क विभाग हैं। इसके अलावा औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन, विमानन विभाग, खनिज साधन विभाग, लोक सेवा प्रबंधन विभाग भी सीएम यादव ने अपने पास रखा है। इन सभी विभागों के एचओडी और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी आज सुशासन भवन में हुई मीटिंग में मौजूद रहे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज होने वाले सभी कार्यक्रम निरस्त किये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विमान दुर्घटना में दिवंगतों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए शुक्रवार 13 जून को होने वाले अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुर्घटना से मैं हताश हूँ और पूरा देश भी दुखी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुःख इस घड़ी में परमात्मा से सभी नागरिकों को संबल प्रदान करने की कामना भी की है।

संक्षिप्त समाचार

शहर से दूर सेंटर होने की वजह से एकजाम से हुए स्टूडेंट वंचित

भोपाल। दिल्ली शहर से दूर परीक्षा सेंटर बनाए जाने को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आपत्ति दर्ज करवाते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है। आईपीएमएटी इंदौर प्रवेश परीक्षा के दिल्ली में बनाए गए सेंटर पर सवालिया निशान लगाए है।
शहर से दूर होने की वजह से कई छात्र-छात्राएं परीक्षा नहीं दे सके। अब परीक्षा से वंचित छात्र एवं छात्राओं को दोबारा परीक्षा दिलवाए जाने की गुहार दिल्ली की मुख्यमंत्री ने लगाई है। इससे सेंटर की जिम्मेदारी निभाने वाले नुमाइंदो में हडकंप की स्थिति बन गई है। दरअसल, एकीकृत प्रबंधन कार्यक्रम के लिए आईपीएमएटी इंदौर प्रवेश परीक्षा आईआईएम इंदौर के द्वारा 12 मई को आयोजित की गई थी। उक्त प्रवेष परीक्षा के केन्द्रों में से एक परीक्षा सेंटर पवन गंगा एजुकेशनल सेंटर हिरणकुदना रोड़, रोहतक रोड दिल्ली का भी था। चूंकि उक्त सेंटर की शहर से दूरी ज्यादा होने की वजह से 100 से अधिक छात्र-छात्राएं परीक्षा देने से वंचित रह गए। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र भेजकर कहा है कि आईपीएमएटी इंदौर प्रवेश परीक्षा इंदौर द्वारा आयोजित की गई थी। यह परीक्षा आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में 5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रमों में प्रवेष के लिए एक प्रवेश परीक्षा हुई थी।

सरकारी स्कूलों में गणवेश की राशि अभिभावकों के खातों में आएगी

भोपाल। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सरकारी स्कूल शुरू होने की तैयारी में हैं, वहीं विद्यार्थियों को गणवेश में लेटलतीफी और खराब क्वालिटी को लेकर हर साल शिकायतें मिल रही थीं। इस बार व्यवस्था में बदलाव करते हुए नया प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, जो अगले सप्ताह होने वाली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा, जिसमें गणवेश की राशि अभिभावकों के खाते में सीधे देने पर निर्णय लिया जाना है। सरकारी स्कूल में पढने वाले कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए गणवेश निःशुल्क प्रदान की जाती है। वर्ष 2018 से स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गणवेश बनाने का कार्य किया जा रहा था। खराब क्वालिटी और गणवेश में देरी को लेकर लगातार शिकायतें हो रही थीं। अब इस व्यवस्था में बदलाव की तैयारी हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने गुरु हरगोबिंद सिंह साहिब के प्रकाश पर्व पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नागरिकों को सिख धर्म के छठवें गुरु हरगोबिंद सिंह साहिब के प्रकाश पर्व पर शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि गुरु हरगोबिंद जी शौर्य एवं वीरता के पर्याय थे। उन्होंने समाज के शोषित, वंचित और कमजोर वर्ग की सेवा कर धर्म एवं मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। लोक कल्याण के संकल्प की सिद्धि में गुरु हरगोविंद सिंह का प्रेरणादायक जीवन एवं पथ प्रदर्शन अनंतकाल तक अनुकरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष तोमर को दी जन्मदिन की बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को जन्म वर्षगांठ की बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि श्री तोमर पर बाबा महाकाल की कृपा सदैव बनी रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री तोमर के उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ एवं मंगलमय जीवन की कामना की है।

नाबार्ड के आम महोत्सव में आए विभिन्न किस्मों के 20 टन आम , सुंदरजा जी टैग भी उपलब्ध

नूरजहां आम के पेड़ो को बचाने नाबार्ड कर रहा है प्रयास - महाप्रबंधक सी .सरस्वती

■31 आदिवासी जिलों में संचालित हैं बाड़ी परियोजना
■ किसानों की आजीविका के लिए मार्केटिंग भी उपलब्ध कराया जाता है

भोपाल ■ दिनेश शर्मा

नाबार्ड, मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से आदिवासी किसानों द्वारा बाड़ी परियोजना स्थापित की गई राज्य के आदिवासी परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने के तथा नाबार्ड द्वारा समर्थित वाडियों से उत्पादित आमों को विपणन हेतु एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से नाबार्ड द्वारा नाबार्ड परिसर में 10 से 14 जून 2025 तक आम महोत्सव 8.0 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी सरस्वती ने बताया कि भारत एक बहुसंस्कृति की पालना करने वाला देश है और आम के मौसम भी किसी त्योहार की तरह मनाया जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि हमारे देश में साल भर अलग-अलग मौसमों में अलग-अलग फल सेवन हेतु उपलब्ध रहते हैं। आम ग्राहकों के लिए गुणवततापूर्ण स्वादिष्ट फल के साथ ही साथ इसे उगाने वाले किसानों के लिए आय अर्जन का महत्वपूर्ण साधन भी है। नाबार्ड की ये परियोजनाएं आदिवासी परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। इस परियोजना के अंतर्गत लाभार्थियों के समग्र विकास का ध्यान रखा जाता है। नाबार्ड की परियोजना में वाडी के साथ ही साथ सब्जियों तथा अन्य फसलों के पौधे भी उपलब्ध करवाए जाते हैं ताकि परियोजना की शुरुआत से ही किसानों की में वृद्धि शुरू हो जाए।

इस निधि के तहत, नाबार्ड के द्वारा मध्य प्रदेश में अब तक 102 परियोजनाएं स्वीकृत कर लगभग 73,875 एकड़ में वाडियों की स्थापना की है। इन परियोजनाओं से 78126 से अधिक परिवारों को लाभ पहुंचा है एवं परियोजना के माध्यम से आदिवासी किसान अपने खेतों पर विभिन्न बागवानी, कृषि और कृषि वानिकी गतिविधियों को अपनाकर अपनी पारिवारिक आय बढ़ाने में सक्षम हुए हैं जिससे परियोजना क्षेत्र में रोजगार के लिए होने वाले पलायन को रोकने में मदद मिली है।

यह महोत्सव राज्य स्तर के साथ ही साथ जिला स्तर पर भी आयोजित किया जा रहा है जिसमें छिंदवाड़ा और रीवा शामिल हैं। इस अवसर पर सबसे वजनी आम नूरजहाँ भी बिक्री के लिए उपलब्ध हे आप ने पूछने पर बताया कि आम महोत्सव में जीआई टैग प्राप्त सुंदरजा के अतिरिक्त आम्रपाली, केसर, लंगड़ा, दशहरी, तोतापुरी, राजापुरी भी बिक्री के लिए उपलब्ध है ,आम की गाडियाँ बैंकों की विभिन्न कॉलोनियों में भी विजिट भी कर रही हैं। आम महोत्सव में किसान 20 टन आम विभिन्न किस्मों के लेकर आए है ।किसानों को एक एकड़ जमीन पर आम के पौधे ओर सागौन,मूंगा के पौधे भी उपलब्ध कराते हैं साथ ही किसान अपनी आजीविका चलाने के लिए सब्जी भी उगाते है इनको हम मार्केटिंग भी उपलब्ध कराते हैं। नूरजहां आम के बारे में आप ने बताया कि इस के कम पेड़ बचे हैं इसको बचाने के लिए टिशू कल्चर से इस के पौधे बढ़ाने के प्रयास कर रहे है ।वर्तमान में 31 आदिवासी जिलों में बाड़ी परियोजना संचालित है,।

स्वस्थ यकृत मिशन को किया जाएगा और सशक्त,अब तक 10 लाख से अधिक जांचें की गई

यकृत स्वस्थ तो जीवन स्वस्थ, यकृत की देखभाल को बनाएं प्राथमिकता : उपमुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल ■ निसं

विकसित भारत के साथ-साथ स्वस्थ भारत का निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। यकृत स्वस्थ रहेगा, तो जीवन भी स्वस्थ रहेगा और जब जीवन स्वस्थ होगा, तब परिवार, समाज और पूरा प्रदेश भी स्वस्थ और सशक्त बनेगा। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने 'ग्लोबल फैटी लीवर दिवस' पर सागर से वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेश के सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों एवं आशा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। पद्म भूषण डॉ. शिव कुमार सरीन, निदेशक, इंस्टीटयूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसेज, नई दिल्ली भी वी.सी. में जुड़े।

उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री शुक्ल ने कहा कि 'ग्लोबल फैटी लीवर डे' केवल एक दिवस नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, जागरूकता और स्वस्थ भविष्य की दिशा में सामूहिक संकल्प का संदेश है। उन्होंने कहा कि यकृत (लीवर) हमारे शरीर का सबसे मौन किंतु अत्यंत कार्यशील अंग है। यह अंग ऊर्जा उत्पादन, विषहरण, प्रतिरक्षा और पाचन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की आधारशिला है। जब यकृत प्रभावित होता है, तो उसके लक्षण बहुत देर से प्रकट होते हैं और तब तक शरीर को गंभीर हानि पहुँच चुकी होती है ऐसे में आवश्यक है कि हम समय रहते यकृत की देखभाल को अपनी प्राथमिकता बनाएं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मोटापा, मधुमेह, असंतुलित आहार, शारीरिक निष्क्रियता और मानसिक तनाव एनएएफएलडी के प्रमुख कारण हैं ये सभी कारक जीवनशैली से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आह्वान किया कि नागरिक अपने और परिवार की जाँच अवश्य कराएं। संतुलित आहार अपनाएं, जंक फूड से बचें, और रोजाना कम से कम 30 मिनट तक शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि 'स्वस्थ यकृत मिशन' को और भी सशक्त बनाया जाएगा। स्क्रीनिंग से लेकर उपचार तक हर स्तर पर सरकार आपके साथ है। स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक उपकरण, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बेहतर उपचार सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि 21 मई 2025 को राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वस्थ यकृत मिशन का शुभारंभ किया। यह एक समर्पित जनस्वास्थ्य पहल है, जो केवल उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि रोकथाम, जनजागरूकता, स्क्रीनिंग, रेफरल तथा फॉलोअप के प्रत्येक चरण को एकीकृत रूप में सम्मिलित करती है। उन्होंने बताया कि 2 जून 2025 से लेकर आज तक हम लगभग 10 लाख नागरिकों की एनएएफएलडी स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इनमें से 1.27 लाख लोगों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 23 से अधिक पाया गया। 1 लाख 24 हज़ार 131 (24 प्रतिशत) महिलाओं की कमर की माप 80 सेंटीमीटर से अधिक और 93 हज़ार 738 (19 प्रतिशत) पुरुषों की कमर की माप 90 सेंटीमीटर से अधिक पाई गई। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ये आंकड़े मात्र संख्याएँ नहीं हैं ये एक गंभीर चेतावनी हैं। यह संकेत है कि हम सचेत हो जाएँ और भविष्य की चुनौती के प्रति सजग रहें।

एसबीआई लेडीज क्लब द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया

भोपाल ■ निसं

एसबीआई लेडीज क्लब भोपाल मंडल पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता कार्यक्रम, निराश्रित और वंचितों को सहायता एवं गरीब बच्चों को पढ़ाई में आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने में हमेशा तत्पर रहती है। जंबूरी मैदान स्थित एसबीआई ऑक्सीजन बैंक जिसे एसबीआई द्वारा सीएसआर फंड के माध्यम से विकसित किया गया है, वहां आज पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से एसबीआई लेडीज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती गीतू शेखर शर्मा के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल, जंगल, जमीन और जानवरों की सुरक्षा से ही पर्यावरण संरक्षण संभव है, आज मानव जाति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां प्रकृति के साथ-साथ मन के प्रदूषण को भी खत्म करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी से अपनी-अपने जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाने का आवाह्न किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में एसबीआई ऑक्सीजन बैंक के संचालक वन विशेषज्ञ डॉ पंकज भारती ने क्लब के सभी सदस्यों को जापानी पद्धति मियांवाकी से दो वर्ष पहले लगायें गये वृक्षों की प्रगति और प्रकृति के बारे में जानकारी देते हुए आक्सीजन बैंक स्थल का भ्रमण कराया, जिसकी क्लब के सभी सदस्यों ने भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम में श्रीमती अर्चना कुंदन श्रीमती कुमकुम कुमार एवं श्रीमती सुजाता कानून को सहित क्लब की अन्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नशा मुक्ति के लिए समन्वित प्रयास जरूरी : कलेक्टर सिंह

भोपाल ■ निसं

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम एवं बेहतर समन्वय हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्यवाही सुनिश्चित करने एवं व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए विनाशकारी है,इसके दुष्परिणामों से लोगों को अवगत कराना आवश्यक है ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और युवा पीढ़ी को नशे से बचाया जा सके।

बैठक में पुलिस अधीक्षक देहात प्रमोद कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज चौरसिया, एडीएम प्रकाश नायक नारकोटिक्स नोडल एसडीओपी सुश्री मंजू चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्यान प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय टेंडर प्रक्रिया शुरू की

वन विहार में दिखेंगे जिराफ और जेब्रा

भोपाल ■ निसं

प्रदेश के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में जल्द ही जेब्रा और जिराफ जैसे आकर्षक और दुर्लभ विदेशी प्राणी दिखाई देंगे। लंबे समय से ठंडी पड़ी इस महत्वाकांक्षी योजना को एक बार फिर से गति दी जा रही है। वन विहार प्रशासन अब अफ्रीका से इन प्राणियों को लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेंडर प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है।

बता दें कि इस टेंडर के माध्यम से एक ऐसी विशेषज्ञ एजेंसी को नियुक्त किया जाएगा जो अफ्रीका के किसी देश से जेब्रा और जिराफ लाने की प्रक्रिया को पूरा करेगी। वन विहार में बबूल की प्रजातियों की पत्तियां, फल और फूल के पेड़-पौधे भी हैं, इसलिए यह जिराफ-जेब्रा के लिए अनुकूल माना गया है। वहीं, तत्कालीन वन मंत्री डॉ. विजय शाह ने अफ्रीका से जिराफ-जेब्रा लाने की बात कह चुके हैं। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मास्टर ले-ऑउट प्लान को अप्रूवल मिल गई है। जू-अथॉरिटी के निर्देशानुसार आगे की प्रोसेस की जा रही है।

इस तरह काम करेंगी एजेंसी:

टेंडर में नियुक्त एजेंसी न केवल जानवरों के चयन और उन्हें लाने का काम करेगी, बल्कि समुद्री मार्ग से इन जानवरों को भारत लाने के लिए आवश्यक कार्गो शिपिंग की व्यवस्था भी करेगी। यह एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें जानवरों की सुरक्षा, देखभाल और परिवहन से संबंधित सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

पर्यटक विदेशी वन्य प्राणी को करीब से देख सकेंगे: वर्तमान में, मध्य प्रदेश के किसी भी राष्ट्रीय उद्यान में जेब्रा और जिराफ नहीं हैं। यदि यह योजना सफल होती है, तो वन विहार ऐसा पार्क बन जाएगा जहां पर्यटक इन विदेशी जानवरों को करीब से देख सकेंगे। वन विहार प्रबंधन को उम्मीद है कि जेब्रा और जिराफ के आने से वन विहार की लोकप्रियता में वृद्धि होगी, जिससे देश-विदेश से अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

शेर-बाघ के साथ देख सकेंगे जिराफ-जेब्रा

बता दें कि वन विहार में शेर, बाघ, भालू, लोमड़ी, तेंदुआ, हिरण, बारहसिंगा समेत अन्य जानवर हैं। जिनके दीदार के लिए बड़ी संख्या में रोजाना पर्यटक पहुंचते हैं। अगले कुछ महीनों में उन्हें जेब्रा और जिराफ के भी दीदार हो सकेंगे।

नवागत सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने गांधीनगर अस्पताल का किया निरीक्षण

भोपाल ■ निसं

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर का निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं का जायजा लिया गया। डॉ. शर्मा द्वारा ओपीडी, प्रसव कक्ष, पीएनसी वार्ड, लेबोरेट्री, दवा वितरण सहित विभिन्न सेवाओं की जानकारी ली गई।निरीक्षण के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.रितेश रावत, मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश कुमार सहित चिकित्सक एवं प्रबंधकीय स्टाफ उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ.मनीष शर्मा ने निर्देश दिए कि इस अस्पताल से ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं, इसलिए ओपीडी के निर्धारित समय में सभी चिकित्सा एवं पैरामेडिकल स्टाफ ड्यूटी पर उपस्थित रहें। आकस्मिक स्थिति में रात के समय में भी सिजेरियन प्रसव की सुविधा उपलब्ध रहे। शाम की ओपीडी में सभी चिकित्सक सेवाएं प्रदान करें।

डॉ. शर्मा ने सीबीएमओ को निर्देशित किया कि विकासखंड में संचालित सभी कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग, रिपोर्टिंग एवं बैठकों को निर्धारित एजेंडा के किया जाना सुनिश्चित किया जाए। अस्पताल में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। मरीज को उपचार लेने में विलंब या परेशानी ना हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए अन्यथा संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

हमीदिया अस्पताल में अब मरीजों को नहीं लगाना पड़ेगा लंबा चक्कर

16 जून को आम लोगों के लिए खोला जाएगा जीएमसी का मेन गेट

भोपाल ■ निसं

गांधी मेडिकल कॉलेज कैंपस का मेन गेट (रॉयल मार्केट की ओर) 16 जून को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बाद कॉलेज और हमीदिया अस्पताल कैंपस में आने के लिए लोगों को लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। यह गेट रिनोवेशन के लिए 15 नवंबर 2024 को बंद किया था। जीएमसी प्रबंधन ने तब कहा था कि 3 माह में गेट शुरू कर देंगे, पर 7 माह हो गए। मेन गेट बंद होने के कारण मरीजों को इमरजेंसी गेट और फतेहगढ़ वाले गेट से आना-जाना पड़ रहा है।

मेन गेट से इंट्री बंद होने के कारण लोगों ने मेन गेट के पास स्थित पूरा कैंपस ही पार्किंग स्थल में बदल गया है। इस स्थिति में इमरजेंसी के दौरान फायर ब्रिगेड जैसे बड़े वाहनों के लिए कैंपस में चलना संभव नहीं है।पीड ब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार मरम्मत कार्य पूरा हो गया है। अब सिर्फ सपोर्ट में लगाई गईं बांस-बल्लियों को हटाना और अंतिम चेकिंग बची है। यह काम इस सप्ताह पूरा हो जाएगा। वर्तमान में मरीजों, परिजनों, अस्पताल व मेडिकल स्टाफ के आने-जाने के लिए सिर्फ फतेहगढ़ वाला गेट चालू है। कलेक्ट्रेट की ओर से आने वाले लोगों को इस गेट तक पहुंचने के लिए कर्फ्यू वाली माता, मोती मस्जिद और सदर मंजिल से होकर आना पड़ता है। यह करीब 1.5 किलोमीटर का चक्कर है। इस रोड पर पीक अवर्स में 15 हजार से ज्यादा वाहन एक घंटे में गुजरते हैं, ऐसे में यहां हमेशा जाम की स्थिति भी बनी रहती है। जिससे काफी समय बर्बाद होता है।

मेन गेट शुरू होने के बाद, जीएमसी कैंपस और हमीदिया अस्पताल में आने-जाने के 3 गेट होंगे। इनमें से एक इमरजेंसी गेट सिर्फ एम्बुलेंस के लिए आरक्षित है।

बाहरी लोगों पर रोक नहीं

मालूम हो कि अस्पताल में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक नहीं है। कुछ समय पहले जूडा ने इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन को पत्र भी लिखा था। इस पत्र में बताया था कि कुछ बाहरी लोग अस्पताल में भर्ती मरीजों को इलाज पूरा होने से पहले ही डिस्चार्ज करवाकर अपने साथ ले जाते हैं। इसके अलावा मरीजों को जीएमसी में भर्ती होने से पहले ही उन्हें निजी अस्पताल में बेहतर इलाज का आश्वासन देने लगते हैं। जूडा ने संदेह जताया था कि निजी अस्पतालों के दलाल हमीदिया अस्पताल कैंपस में सक्रिय हैं।

मप्र में 21 जून को सामूहिक योग कराने पंजीयन अनिवार्य

भोपाल (निसं)। इस साल योग दिवस पर होने वाले आयोजन के लिए केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय की वेब लिंक पर आयोजक के रूप में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। केंद्र सरकार ने इस साल होने वाले योग कार्यक्रम के लिए एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम तय की है। योग के कार्यक्रम जिला मुख्यालयों पर होने के साथ पर्यटन स्थलों पर भी किए जाएंगे। इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूरा होने पर काउंटडाउन का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश में 21 जून को जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन होगा।

विश्व बालश्रम निषेध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम में विष्व बालश्रम निषेध दिवस पर प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के मार्गदषन में एवं रासेयो अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने के सहयोग से विष्व बालश्रम निषेध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने 2002 में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की शुरुआत की थी, जिसका पहला आयोजन 12 जून को जिनेवा में आई.एल.ओ. का मुख्यालय में हुआ था। तब से, इस दिन को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है। वर्ष 2025 में बाल श्रम को खत्म करने के इस अंतर्राष्ट्रीय प्रयास के 21 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत में बाल मजदूरी (निषेध एवं नियमन) अधिनियम, 1986 के अनुसार, 14 वर्ष से कम उम्र के किसी बच्चे को किसी कारखाने या खान

में काम में नहीं लगाया जाना चाहिए। भारतीय दण्ड संहिता 1860 इसमें बाल श्रम से जुड़े अपराधों के लिए धारा 370-374 में जुर्माना और सजा का प्रावधान किया गया है।

इस अवसर पर सहायक श्रमायुक्त ज्योति अय्यर ने बताया कि बालश्रम मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से बच्चों के अत्यंत हानिकारक है। जिसका प्रमुख कारण गरीबी एवं अषिक्षा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने ने बताया कि महाविद्यालय में बाल संरक्षण क्लब के द्वारा निरंतर इस दिषा में जागरूकता के लिए विविध कार्यक्रम एवं गतिविधियां वर्ष भर संचालित की जाती है। बालश्रम का अर्थ है बच्चों से ऐसे काम कराना जो उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए हानिकारक हो और जो उन्हें उनकी शिक्षा और विकास से वंचित करे. यह बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है और उनके भविष्य को प्रभावित करता है।

इस अवसर पर अनिल रजक, राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाए द्वारा पूजा गोस्वामी, तनुश्री, वर्षा, सलोनी, स्नेहा, रितु, मनीषा, अंजली, सुहानी, प्रिया सोनी, दिषा शर्मा नेहरू पार्क के सामने बाल श्रम को रोकने एवं समाप्त करने के लिए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP 2020 के अंतर्गत एफ एल एन प्रोग्राम में शासकीय शाला के प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों में सार्वभौमिक आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान की समझ विकसित करने के लिए ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। जन शिक्षा केंद्र सुखी सेवनिया के सभी शिक्षकों ने ट्रेनिंग में उत्साह पूर्वक भाग लिया एवं मास्टर ट्रेनर प्रेम नारायण रघुवंशी का मार्गदर्शन रहा।

संक्षिप्त समाचार

रेत के भारी वाहन निकलने से आए दिन हो रही दुर्घटना रोकने की मांग

माखन नगर। माखन नगर की ग्राम पंचायत आंचल खेड़ा के 20 नंबर वार्ड से रेत से भरे वाहन निकल रहे हैं जिसे आम लोगों का जीना दूभर हो गया हे आए दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हे सरपंच ,उप सरपंच दोनों ने मिलकर इस मुद्दे को कई बार उठाया है इससे पहले भी कई बार दोनों सरपंचों ने इस मुद्दे को उठाया है मगर अभी तक इस पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं हुई है बता दें कि कलेक्टर और माइनिंग अधिकारी को 11 बार आवेदन दे चुके है ग्राम पंचायत आंचल खेड़ा को समस्या हल नहीं हुई हे।अभी तक कोई भी कार्रवाई कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में काफी रोष हे ।

परिवहन विभाग ने जारी किए स्कूल संचालकों को नोटिस

खण्डवा। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में संचालित स्कूल बसों की जाँच कर, जिन स्कूल बसों में दस्तावेजी कमियां पाई गई, उन बसों की विभाग द्वारा स्कूलवार सूची तैयार कर संबंधित स्कूलों को नोटिस एवं दूरभाष के माध्यम से उपलब्ध करवा दी गई है। उन्होंने समस्त स्कूलों को हिदायत दी है कि आगामी शैक्षिणक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व ही अपनी बसों में दस्तावेजी एवं सुरक्षात्मक कमियों की पूर्ति कर जानकारी कार्यालय में उपलब्ध करायें। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिन स्कूलों को नोटिस भेजे गये हैं एवं जिनकी बसों में कमियां हैं उनमें एंजल प्लैनेट स्कूल, बेन्स पब्लिक स्कूल, श्रीकृष्णा एकेडमी, पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल, एम एन पब्लिक स्कूल, रेवोत्तमा स्कूल, अभिनव पब्लिक स्कूल, एम के प्राईड स्कूल, ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल एवं निमाड़ एकेडमी स्कूल शामिल है। उन्होंने बताया कि सभी स्कूल प्रबंधन को अवगत कराया गया है और विभाग ने दस्तावेजी कमियों वाली बसों को लिस्ट कर लिया है, अगर वे बसें संचालित पाई गई तो विभाग मोटरयान अधिनियम के तहत कार्यवाही करेगा।

जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार शिविर हुआ आयोजित

खंडवा। श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खंडवा में ग्लोबल फैटी लिवर दिवस के अवसर पर गुरूवार को स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार शिविर का आयोजन सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें कुल 265 हितग्राहियों की स्क्रीनिंग की गई। इन सभी का कमर का नाप, हाइट, ब्लड प्रेशर, शुगर एवं अन्य जाँचें कारवाई। जिन मरीजों का बी.एम.आई. बढ़ा हुआ था, उनका एस.जी.ओ.टी., एस.जी.पी.टी., प्लेटलेट आदि जाँच भी करवाकर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया। आर.एम.ओ. डॉ.एम.एल. कलमे द्वारा उपस्थित सभी हितग्राहियों को बताया कि फैटी लिवर दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में अपने स्वास्थ्य के प्रति जन जागरूकता फैलाना है। इसके लिए सभी को अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाना चाहिए, जिस महिला के कमर का नाप 80 सेमी तथा पुरुष की कमर का नाप 90 सेमी से अधिक हो तो यह हाई रिस्क कि श्रेणी में आते हैं।

वरिष्ठ अधिकारी नहीं कर रहे हैं कार्यवाही

सिवनी मालवा वन परिक्षेत्र में सागौन के वृक्षों की कटाई जारी

आधा दर्जन डिप्टी रेंजर, 16 नाकेदार, 2 दर्जन से अधिक वन चौकीदार के बाबजूद सागवान की अवैध कटाई लोगों के समझ से परे हैं

सिवनी मालवा ■ निसं

वन परिक्षेत्र सिवनी मालवा के अंतर्गत आने वाली आमा कटारा, ढेकना, पलासी, लोखरतलाई बीट में सागवान के पेड़ों की बेजा कटाई हुई है। इसी के चलते 29 मई 2025 को दिनदहाड़े ग्राम मोरघाट के पास कटे हुए अवैध सागौन का परिवहन कर रही ट्राली पलटने से एक आदिवासी मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई थी और ट्राली में भरें हुए अवैध सागौन का सबूत मिटाने के लिए उसमें तस्करी करने वाले ने आग लगा दी थी। सिवनी मालवा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत इन बीटों में सैकड़ों सागौन के कटे हुए ठूंठ आज भी खड़े हुए अवैध सागवान वृक्षों की कटाई का सबूत दे रहे हैं।

सागवान की अवैध कटाई को क्यों अनदेखा कर रहे अधिकारी, कर्मचारी:

वन विभाग में अवैध कटाई जोर शोर से चल रही है। जबकि आमा कटारा, ढेकना, पलासी, मोरया, लही, मोरघाट, महुआढाना सहित लोखरतलाई में अवैध कटाई हुई। इतनी चौकी, नाके, मुख्यालय होने के बाबजूद सागवान की अवैध कटाई होना संदेहास्पद है। सागवान के पेड़ों की बेजा कटाई को अधिकारियों और कर्मचारियों ने हमेशा ही अनदेखा किया और सागवान की अवैध कटाई में किसी बड़े गिरोह तस्कर का हाथ होने की बात स्पष्ट इशारा करती हैं। इन वीटो में 8 से अधिक बड़े पैमाने पर हुई कटाई में एक भी आरोपी गिरफ्तार नहीं हो पाया। यहां तक की जब्त शुदा वाहनों के मालिक भी वन अधिकारियों की पकड़ से बाहर हैं। आमा कटारा और ढेकना बीच में तीन मर्तबा बड़े स्तर पर सागवान के वृक्षों की कटाई हुई। हाल ही में लोखरतलाई बीट में आरा मशीन से कटाई हुई। यह कटाई वन चौकी से लगभग 1 किलोमीटर और सड़क से 500 मीटर की दूरी पर कटाई हुई है। लोखरतलाई चौकी के पीछे और रामझनी के तालाब के पास सागौन के बचे हुए ठूंठ को नष्ट करने के लिए आग लगाकर जलाने का प्रयास किया गया। यही नहीं विभागीय कर्मचारियों ने कुछ वृक्ष के ठूंठ खुदवा कर नष्ट करने का प्रयास भी किया।

हाल ही में लोखरतलाई सर्किल के मोरघाट कूप 480 व लही के 489 में अवैध कटाई हुई। जिसमें ट्रेक्टर ट्राली में एक मजदूर की मौत हो गई। लोखरतलाई के कूप 405 में पहले हुई कटाई। जिनके कटे हुए ठूंठ आज भी खड़े हुए हैं लेकिन वन विभाग के आला अधिकारियों ने कोई कारवाही नहीं की।

आमा कटारा बीट में सागौन के 21 पेड़ कट गए। बड़े-बड़े पेड़ हाथ आरे से काटना और रात के अंधेरे में 5-5 फीट के 100 से अधिक टुकड़े बनाना, दो-तीन घंटे में कैसे संभव है ? इस पूरे घटना क्रम के लंबे समय से चलने की आशंका जताई जा रही है। जबकि आधा दर्जन डिप्टी रेंजर, 16 नाकेदार, 2 दर्जन से अधिक वन चौकीदार के बाबजूद सागवान की हुई अवैध कटाई होना लोगों की समझ से परे हैं।

डीएफओ ने निरीक्षण किया

सागौन के वृक्षों की कटाई की खबरें और शिकायत के बाद डीएफओ मयंक गुर्जर ने गुरुवार को लही के जंगल में कटे सागौन के ठूंठों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अवैध कटाई में जो भी दोषी होगा, कार्रवाई की जाएगी।

अभिनय पुरोहित फुटबाल एसोसिएशन में कोच चयनित

सिवनी मालवा ■ निसं

मध्य प्रदेश फुटबाल एसोशिएशन द्वारा प्रदेश स्तरीय 4 दिवसीय फुटबाल कोच चयन प्रक्रिया इटारसी के खेड़ा ग्राउंड में आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश भर के जिलों से 28 कोच प्रतिभागियों ने लेबल 8 के कोच चयन के लिए भाग लिया था। चयन प्रक्रिया में नर्मदापुरम से 3 कोच प्रतिभागी शामिल हुए। जिनमें सिवनी मालवा से अभिनय पुरोहित ने चयन प्रक्रिया में सभी परीक्षाएं पास कर सफलता हासिल की हैं।

अभिनय का चयन मध्य प्रदेश फुटबाल एसोसिएशन ने प्रदेश स्तर पर फुटबाल कोच के लिए किया। अभिनय पुरोहित ने बताया कि में बचपन से ही फुटबाल खेला करता था। शासकीय कुसुम महाविद्यालय के फुटबाल दल का कप्तान रहते हुए रायसेन में प्रदेश स्तर की फुटबाल प्रतियोगिता में महाविद्यालय दल का प्रतिनिधित्व किया था। नगर की आदर्श स्पोर्ट्स अकेडमी की ओर से गोवा में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया है। मुझे मेरे खेल के लिए मेरे माता पिता और परिवार का भरपूर सहयोग मिला है। मैं अब मध्य प्रदेश फुटबाल एसोसिएशन में कोच के लिए चयनित हुआ हूं। जिसके लिए में अपने माता पिता और परिवार के साथ अपने मित्रों का आभारी हूं। अभिनय के कोच चयन पर परिजनों सहित इष्टमित्रों ने बधाई, शुभकामनाएं दी।

अनिवासी भारतीय सुमित यादव ने शिवपुर क्षेत्र के 170 प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कक्षा दसवीं, बारहवीं में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को दिए स्मृति चिन्ह

सिवनी मालवा ■ निसं

लगातार 19 वर्षो से शिवपुर प्रतिभा सम्मान 2025 के अंतर्गत शिवपुर क्षेत्र के निजी और शासकीय स्कूलों के कक्षा दसवीं और बाहरवीं में 60 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रथम आने वाले लगभग 170 विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर अनिवासी भारतीय सुमित यादव की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राधेश्याम धोकल सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता एमपीईबी, ए.एल.यदुवंशी सेवानिवृत्त शिक्षक शिवपुर तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल शिवपुर, टैगोर मॉडल स्कूल शिवपुर, एलबीएफ एकेडमी शिवपुर, नर्मदा शिशु मंदिर शिवपुर एवं द राइजिंग पब्लिक स्कूल पगढाल के लगभग 170 विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिवपुर प्रतिभा सम्मान समारोह में अखिलेश अग्रवाल, राजेश यादव, पवन यादव, दिनेश यादव, अंकित यादव, सौरभ बापलत्या, शुभम धोकल, हर्षित यादव प्रीतम धोकल, मुकेश कतिया, लालू यादव, प्रखर यादव, रूपेश सर, देवेंद्र, यादव, सौरभ सेठ, नितेश उइके, पुनीत एरी, अथर्व व्यास गणमान्य नागरिक और विद्यार्थियों के पालक शामिल हुए।

अमृत दर्शन की खबर का असर

वार्ड 9 में बने गति अवरोधक को नगर पालिका ने जेसीबी मशीन से तोड़े

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर में अधिकांश मार्गो पर सीमेंट कंक्रीट और डामरीकरण कर सपाट रोड बना दिए गए थे जिसके चलते वाहन चालकों द्वारा वाहनों को फराटे मार कर तेज गति से चलाऐ जाने के करण आम जनों को दुर्घटना का डर बना रहता था जिसके लिए नगरवासियों के द्वारा मार्गो पर गति अवरोधक बनाने हेतु नगर पालिका से कई बार आवेदन देकर मांग की जा रही थी लेकिन नगर पालिका , प्रशासन द्वारा गति अबरोधक नहीं बनाए जाने पर आम जनों के द्वारा ही सीमेंट कंक्रीट के द्वारा मार्गो पर गति अवरोधक बना दिए गए थे लेकिन

बनाया गए गति अवरोधक अमानत और अत्यधिक ऊंचाई वाले बनाने के कारण वाहनों की दुर्घटना होना शुरू हो गई थी जिसके लिए वार्ड क्रमांक 8 की कांग्रेस पार्षद अनुराधा दीक्षित के प्रतिनिधि दीपक दीक्षित द्वारा एसडीएम सरोज परिहार को अमानक और ऊंचे अवरोधकों को तोड़कर नियमानुसार मानक रूप में बनाया जाने की मांग की गई थी। जिसे अमृत दर्शन के द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था खबर प्रशासन के बाद बुधवार के दिन वार्ड नंबर 9 में बने गति अवरोधों का मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमर सिंह ऊईके एवं सब इंजीनियर राहुल शर्मा के द्वारा गति अवरोधकों का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात गुरुवार के दिन नगर पालिका के द्वारा नियम विरुद्ध बने वार्ड नंबर 9 के गतिवर्धकों को जेसीबी मशीन चलकर तोड़ दिया गया।

टॉयलेट करने से मना किया तो कर दी हत्या

जबलपुर। जबलपुर में बुधवार देर रात 25 वर्षीय सागर चौधरी की पांच बदमाशों ने सिर्फ इसलिए चाकू मारकर हत्या कर दी, क्योंकि उसने आगे जाकर टॉयलेट करने को कहा था। इतना सुनते ही आरोपियों ने युवक को घेर लिया और चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्ट मार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। गुरुवार सुबह सभी आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए। इधर गुरुवार की दोपहर को सागर के शव को लेकर स्थानीय लोगों ने घटनास्थल के सामने धरना दे दिया।

सी.एम.एच.ओ. ने ली समीक्षा बैठक

स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा कर बी.एम.ओ. को दिये आवश्यक निर्देश

खंडवा ■ निसं

सी.एम.एच.ओ. कार्यालय में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने गुरुवार को विकासखण्ड वार प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रत्येक बीएमओ से स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा कर लक्ष्यपूर्ति पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत समीक्षा करते हुए स्पूटम जांच बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ यकृत मिशन के तहत 30 से 65 वर्ष की आयु के नागरिकों में यकृत संबंधी जोखिम की शीघ्र पहचान, लाइन लिस्टिंग, परामर्श एवं उचित रेफरल सुनिश्चित करें। साथ ही आशा व स्वास्थ्य कार्यकर्ता के माध्यम से

महिलाओं के लिए 80 सेमी से अधिक कमर की परिधि तथा पुरुषों के लिए 90 सेमी से अधिक कमर की परिधि तथा मधुमेह के इतिहास जैसे मानदंडों के आधार पर संदिग्ध नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज मामलों की पहचान कर जाँच के दौरान जोखिम वर्ग में आने वाले फैटी लीवर के मरीजों की लाइन लिस्ट कर आगे की कार्रवाई करें।

डॉ. जुगतावत ने राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा कर कहा कि नियमित रुप से लार्वा सर्वे किया जाये व बुखार वाले मरीजों की रक्तपट्टी बनाई जाये। पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड आशा, सी.एच.ओ., डाटा एंट्री ऑपरेटर के माध्यम से अधिक से अधिक बनाये जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बच्चों का शत प्रतिशत टीकाकरण कर टीके की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने के लिए कहा। गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीयन कर नियमित रुप से जाँच कर फॉलोअप किया जाये व हाईरिस्क गर्भवती महिला को चिन्हांकित कर चिकित्सक से जाँच करवाई जाये। साथ ही प्रसव हेतु समय पर उच्च स्वास्थ्य केन्द्र में रेफर करना सुनिश्चित करें ताकि मातृ मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। एनीमिक महिलाओं का आयरन सुक्रोज व आयरन की गोली नियमित रुप से खिलाई जाये, ताकि प्रसव सामान्य हो सके। एनबीएसयू में बच्चों को भर्ती करें और पोषण पुनर्वास केन्द्र में शत प्रतिशत कुपोषित बच्चे भर्ती हों और उनका नियमित रुप से फॉलोअप करना सुनिश्चित करें। परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत नियमित रुप से नसबंदी केम्प लगाकर पात्र हितग्राहियों को सेवाएं दी जाना सुनिश्चित करें। डॉ. जुगतावत ने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ मधुर व्यवहार किया जाये। उन्होंने बी.एम.ओ. को निर्देश दिए कि मैदानी कर्मचारी अपने अपने क्षेत्र में समय पर आकर बेहतर स्वास्थ्य सेवाऐं दें एवं अस्पताल में नियमित रुप से साफ सफाई हो व कोई भी शिकायत ना हो। सभी बी.एम.ओ. सी.एम. हेल्पलाईन के प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करवाये जाना सुनिश्चित करें।

शकर तालाब क्षेत्र से हटाया गया वर्षो पुराना अतिक्रमण

जिला प्रशासन, नगर निगम एवं पुलिस बल के संयुक्त दल ने की कार्यवाही

खंडवा ■ निसं

जिला प्रशासन, नगर पालिक निगम एवं पुलिस बल की संयुक्त कार्यवाही के अंतर्गत गुरुवार को शकर तालाब क्षेत्र में तालाब की भूमि पर वर्षो से किए गए अतिक्रमण को सख्ती से हटाया गया। यह कार्रवाई 15 जेसीबी, 2 पोकलेन मशीन, ट्रकों एवं अन्य संसाधनों की सहायता से की गई।

नगर निगम आयुक्त श्रीमति प्रियंका राजावत ने बताया कि शकर तालाब क्षेत्र में कुल 137 पक्के निर्माणों द्वारा तालाब की भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। इनमें से 26 मकानों के संबंध में उनके द्वारा न्यायालय से स्थगन (स्टे) आदेश प्राप्त किया गया है, जिसके कारण निगम द्वारा इन मकानों को चिह्नित कर कार्यवाही से अलग रखा गया।

शेष लगभग 114 अतिक्रमणों को गुरुवार को की गई कार्रवाई में हटा दिया गया। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा विगत 4 महीनों में कई बार अतिक्रमणकारियों को घर खाली करने के लिए नोटिस जारी किए गए, मुनादी करवाई गई एवं व्यक्तिगत रूप से समझाइश दी गई। बावजूद इसके जब कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो दो दिन पूर्व 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी किया गया। इसके बाद भी घर खाली नहीं करने पर कल पुनः 24 घंटे का अंतिम चेतावनी पत्र जारी किया गया।

उन्होंने बताया कि गुरुवार को की गई कार्रवाई में 200 से अधिक पुलिस बल, 200 से अधिक नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, तथा जिला और निगम प्रशासन की सतर्क निगरानी में अतिक्रमण हटाया गया।

अनमोल वचन

हमे भूत के बारे में पछतावा नही करना चाहिए, ना ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते है।

चाणक्य

हम सभी एक दुसरे की मदद करना चाहते है, मनुष्य ऐसे ही होते है, हम एक दुसरे के सुख के लिए जीना चाहते है दु:ख के लिए नहीं।

चार्ली चेपलिन

सम्पादकीय

शादी अब बहुत सोच समझ कर करें अन्यथा कुंवारा रहें

हाल ही एक न्यूज़ टीवी पर जोरों से चल रहा है बेवफा सोनम ने रची पति राजा की हत्या की साजिश, मेघालय में हनीमून मर्डर केस पर गाइड ने कहा- मुझे खुशी है कि सलाखों के पीछे हैं अपराधी मेघालय में पिछले महीने लापता हुए नवविवाहित दंपती राजा और सोनम रघुवंशी के साथ तीन अज्ञात व्यक्तियों की मौजूदगी के बारे में पुलिस को सूचित करने वाले टूरिस्ट गाइड ने मंगलवार को कहा कि उसे इस बात की तसल्ली है कि उसके जानकारी देने से मामला सुलझाने में मदद मिली। मेघालय में पिछले महीने इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड का मामला सुलझ गया है। पुलिस आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को यूपी के गाजीपुर से सोमवार देर रात लेकर शिलॉन्ग रवाना हुई है। उधर, इस मामले में पुलिस को जानकारी देने वाले टूरिस्ट गाइड ने राहत की सांस ली है। गाइड का कहना है कि उसकी जानकारी से मामला सुलझाने में मदद मिली। दरअसल इंदौर के रहने वाले राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी हनीमून के लिए शिलांग गए थे। वे 23 मई को लापता हो गए थे। बाद में राजा का शव वेइसाडोंग फॉल्स के पास मिला था। पुलिस ने इस मामले में सोनम रघुवंशी को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर राजा की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। पुलिस ने इस मामले में तीन और लोगों को भी गिरफ्तार किया है।कलयुग में पति पत्नी को समझदारी से काम लेना चाहिए क्योंकि सतयुग में नारी की त्याग और ममता के कारण माता सीता ने जो मिशाल पेश किया वह आज उसके नारी धर्म के कारण लोग पूजते हैं क्योंकि माता सीता के स्वयंवर के समय ऐसे धनुष को उठा लिया जिससे परशुराम क्रोध में आकर उपस्थित हो गए इसी डर से रावण शक्तिशाली होने के कारण उठा नहीं सका डर असत्य लोगों को होती है जिसके दिल में छल कपट होता है लेकिन प्रभु राम तो ईश्वर हैं उसे डर कैसा,जब देखा कि ऐ तो भगवान है तो क्रोध को शांत किया, अत: आज कल अगसर देखने को मिल रहा स्त्री और पुरुष में रिश्ते बनने के बजाय बिगड़ रहे है हाल ही में इसके और भी कई उदाहरण भी सामने आए हैं जैसे मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल पर अपने पति, पूर्व मर्चेंट नेवी अधिकारी सौरभ राजपूत की हत्या का आरोप है। उन्होंने कथित तौर पर उसे नशीला पदार्थ दिया, चाकू घोंपा और उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। मुस्कान द्वारा अपने माता-पिता के सामने अपराध कबूल करने के बाद अपराध का पता चला,मेरठ के सौरभ हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर रखा है। इस मामले में आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इस केस में मुख्य आरोपी और मृतक की पत्नी मुस्कान रस्तोगी की एक पड़ोसी ने खुलासा किया है कि साहिल शुक्ला रात को 2-3 बजे उसके घर आया करता था। कई बार बाहर लॉक लगे रहने पर वो दीवार फांदकर घर के अंदर घुस जाता था। वारदात वाले दिन मुस्कान अपने घर के जिस कमरे में गुमसुम बैठा हुई थी, उसी में ड्रम रखा हुआ था, जिसमें सौरभ की लाश पड़ी थी आखिर ऐ सब हो क्यों रहा है यह गलत संस्कार, और अपने को होशियार बनने के चक्कर में होता है अत: शादी करते समय पूरी तरह से सोच समझ कर करें ऐ कलयुग है जिसमें औरतों का पक्ष तो लिया जाता है लेकिन आदमी का नहीं, एक लड़का एक और केस अतुल सुभाष जैसा पुन: सुर्खियों में है दरअसल यूपी में एक बार फिर अतुल सुभाष जैसा मामला सामने आया है।कुछ दिन पहले मल्टीनेशनल कंपनी टीसीएस के एक मैनेजर मानव शर्मा ने पत्नी से तंग आकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला और उसमें रोते हुए अपना सारा दर्द बयां किया। टीसीएस मैनेजर मानव शर्मा ने आत्महत्या से पहले बनाई वीडियो में खुलासा किया कि वो पत्नी के उत्पीड़न से परेशान हैं और शादी से पहले पत्नी का किसी और से सम्बन्ध था और तलाक चाहता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ इधर पत्नी का कहना है कि पहले दूसरे से प्रेम था लेकिब शादी के बाद नहीं सुसाइड के समय साथ ही उसने मांग की कि कानून पुरुषों को भी सुरक्षा दे। मानव शर्मा ने गले में फंदा लगाकर वीडियो बनाया और कहा कि उनके माता-पिता को कोई परेशान न करे।देखिये शादी बड़ा सोच समझ कर करिये ये जीवन का सौदा होने जा रहा सच्चाई शादी से पहले बताना चाहिए क़ोई जरुरी नहीं है कि रिश्ता बड़े घर में हो लेकिन ऐ जरुरी है कि विचारों में मतभेद ना हो ऐ आपस में मिसअंडरस्टैंडिंग के वजह से होता शादी एक ऐसा बंधन है जो जीवन भर साथ रहने को होता है अत: पारदर्शिता जरुरी है ऐ हो क्यों रहा है इसकी सबसे बड़ी आज का संगत, पैसे की चाहत काम वासना आदि है जैसी संगत वैसी रंगत भगवान राम के मंदिर या महाकुम्भ जाने से ऐ समस्या दूर नहीं होगी हमें हमेशा एक दूसरे की सहायता करने की जरुरत है आप कभी भी निराश होकर आप आत्महत्या का कदम मत उठाना नहीं तो ऐ शरीर जो परमात्मा का दिया है वैसे ही ख़ो बैठोगे पाने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है त्याग और संघर्ष में ही आप कुछ बनकर निकलते हो कभी अपना दु:ख दूसरे को नहीं सुनाये काम पर ध्यान दें क्योंकि आज खुद ही आदमी इतना दु:खी है कि दूसरों का दु:ख से क़ोई मतलब नहीं है नहीं यकीन है जैसे अंदरूनी कलह की वजह से पार्टी में टूट हुआ और नतीजा आपके सामने आया जब भी अपने घर के अंदर असंतोष होता है तो आपका ही परिवार बिखड़ जाता है नुकसान दूसरों का नहीं आपका होता है वैसे ही परिवार में रिश्ता होता है जिसमें बाहरी सफाई से ज्यादा जरुरी है अंदर की सफाई और ऐ समझदारी और शांति से विवेक से होगा किसी ने बताया कि माता पिताजी से मिलना शादी से पहले अच्छा लगाव था पिताजी ने शादी के लिए बात की लड़की के पिताजी आए बड़े अच्छे स्वाभाव के थे कुछ रूपए दिए और हुआ क्या मैं लड़की देखने नहीं जा रहा था बाद में मैं सोचा कि उनके पिता जी आए थे और आने का प्रस्ताव दिए है और दादाजी ने भी बताया कि ठीक से देख लेना नाक लम्बाई ठीक होना चाहिए इसलिए लड़की देखने चला गया वहाँ खुब खातिर हुई मेरे भाई ने सवाल पूछ दिया लेकिन उसे मालूम था यह विज्ञान उसके बस का नहीं है किसी मुद्दे पर बात अटक गई क्योंकि उसकी भी बहने थी और उसकी शादी भी जरुरी थी लेकिन इन सब को देखते हुए इस हेतु उस बेचारे ने बहुत कोशिश कर पिता जी को बताया उसमें एक गलती यह हो गई कि उसने फोन नम्बर ले लिया उस समय मोबाइल नहीं था और एसटीडी का बिल खूब आता था लेकिन दिमाग़ कैसे उस जवानी में घुम गया पता ही नहीं चला, कोई जब किसी लड़की के शादी टूटने का शोक को आपकी खुशी में अपने को बुरा रहकर भी अहसास कराता है तो आपको भी उसके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए पति तो कुछ नहीं आपको बोल रहा है उसने बताया कि लेकिन ट्रेन में उसे किसी ने बोल दिया ऐ पत्नी है या औजार जब तक आप बेरोजगार रहते हैं तो आपको बहुत साधारण या गरीब लड़की मिल जाती है।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे। वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

भारत की सुरक्षा एवं मोदी सरकार

गरीब कल्याण, ढांचागत विकास,अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह है। भारत सहित विश्वक की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक है। चाणक्यनीति में कहा कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है।

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी संकल्प से सिद्धि अभियान चला रही है। संपूर्ण देश में मोदी सरकार की सफलता पर प्रेस वार्ताएं, प्रदर्शनी, विचार संगोष्ठी, जनसभाएं एवं ग्राम स्तर पर चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। सोशल मीडिया द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी हो रहा है। गरीब कल्याण, ढांचागत विकास,अन्तर्वाह्य सुरक्षा, आर्थिक प्रगति, सांस्कृतिक उत्थान एवं विदेशों में बढ़ता भारतीय सम्मान सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक उपलब्धियां 11 वर्ष में प्रगति की गवाह है। भारत सहित विश्व की अनेक संस्थाओं एवं प्रमुख व्यक्तियों ने इस ऐतिहासिक सफलता की प्रशंसा की है। रक्षा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की उपलब्धियां ऐतिहासिक है। चाणक्यनीति में कहा कि शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्र चिंता प्रवर्तते शास्त्रों की चर्चा भी तभी संभव है जब राष्ट्र सभी प्रकार से सुरक्षित हो। सिद्धांत कितना भी श्रेष्ठ हो उसकी सफलता उस सिद्धांत का अनुसरण करने वालों की शक्ति पर ही निर्भर करती है। इसी कारण विद्वानों ने शक्ति को ही शांति का आधार बताया है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर अपनी कविता क्षमा शोभती उस भुजंग को, जिसके पास गरल हो इस सिद्धांत को ही प्रतिपादित करते हैं। भारतीय जनसंघ ने अपने 1964के पटना अधिवेशन में प्रस्ताव पारित करते हुए मांग की थी कि भारत को परमाणु बम बनाने के सभी प्रयत्न करने चाहिएँ। सिद्धांत एवं नीतियां नामक दस्तावेज में भी परमाणु अस्त्रों का निर्माण करने की बात की थी। प्रस्ताव प्रतिपादन करते समय कहा गया था कि हमारे आराध्य सभी देवी-देवता धर्म संस्थापना के लिये शस्त्रधारी है। इसलिए भारत माता भीपरमाणु बम धारी होनी चाहिए। इसी नीति का अनुसरण करते हुए श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने 1999 में पोखरण परमाणु विस्फोट कर विश्व में भारत के सम्मान को बढ़ाने का कार्य किया था7 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद देश अपने हितों की सुरक्षा करने में समर्थ बने इस प्रकार की नीति पर चला।आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीतिइसी का उदाहरण है7 जहाँ कांग्रेस सरकार में आतंकियों के लिए जी जैसे सम्मानपूर्वक शब्दों का उपयोग एवं बिरयानी खिलाना जैसे उपक्रम चल रहे थे वहीं मोदी सरकार में सेना

और सुरक्षा बलों को आतंक से लड़ने के लिए छूट एवं सुरक्षा बलों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाये गए।

रक्षा क्षेत्र का बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ था अब 2025-26 के लिए वह बढ़कर 6.81 लाख करोड़ अर्थात तीन गुना से अधिक हो गया है। 2015 कैग रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के पास केवल 20 दिन का गोलाबारूद उपलब्ध था। व्यक्तिगत सैनिक स्तर पर, सैनिकों को अब स्वदेशी रूप से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, उन्नत हेलमेट, नई बैटल ड्रेस यूनिफॉर्म, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल इमेजर उपलब्ध करायी गई। मोदी सरकार के आने के बाद सेना के समन्वय के लिएलंबित मांग सीडीएस की नियुक्ति का निर्णय हुआ। ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं के समन्वय में हमने इस निर्णय की भूमिका को अनुभव किया है। शस्त्रोंकी खरीद के लंबे समय से लंबित निर्णयों का भी शीघ्र निस्तारण होते हुए हम देख चुकेहैं। फ्रांस से आने वाले राफेल की खरीद इसी प्रक्रिया का परिणाम है।एस -400 , सुखोई -30, इजराईल से ड्रोन, हैमर मिसाईल, चिनूक हेलिकॉप्टर, एलसीएच प्रचंड (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर), तेजस फाइटर जेट (पूर्ण स्वदेशी विमान), पिनाका राकेट सिस्टम, वरुणास्त्र आदि की उपलब्धता के कारण भारतीय सेना विश्व की श्रेष्ठतम सेनाओं में गिनी जाती है। ऑपरेशन सिन्दूर में निर्धारित लक्ष्य पर मार एवं शत्रु के ड्रोन एवं मिसाईल को मार गिराने में हम सक्षम हुए है।

11 वर्ष के सफलतम कालखंड में केवल विदेशों से शस्त्र खरीद ही नहीं हमने स्वयं के आत्मनिर्भर होने के मंत्र को भी पहचाना है। अब हम भारत में उन्नत एवं आधुनिक स्वदेशी शस्त्रों का निर्माण भी कर रहे हैं। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का निर्माण, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, रुस्तम यूएवी ड्रोनसका डीआरडीओ द्वारा लखनऊ में निर्माण, रूस के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल,टाटा -डसाल्ट के साथ राफेल के मुख्य भाग का हैदराबाद में हम निर्माण करने वाले हैं। रक्षा उत्पादन में पिछले 10 वर्षों में 174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रक्षा उत्पादन 2014-15 में 46529 करोड़ की तुलना में 2023-24 में 127265करोड़ हुआ है7

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी - 17 नवंबर 2021 (राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व, झांसी में) के अपने संबोधन में कहाँ कि:भारत अपनी रणनीतिक व सुरक्षा आवश्यकताएँ अन्य देशों पर निर्भर होकर पूरा नहीं कर सकता ... सरकार निरंतर 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में प्रयासरत है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के कारण अब हम खरीदने अर्थात आयात करने वाले देश नहीं हम बेचने वाले अर्थात निर्यात करने वाले देश बन गए हैं। 2004 से 2014 अर्थात 10 वर्षों में हमने 4312 करोड़ का निर्यात किया था। 2014 से 24 में 88,319 करोड़ का हुआ है। 2024 - 25 में केवल एक वर्ष में ही हमने 23622 करोड़ का निर्यात किया है। आयात में 21त्न की कमी करके 11 वर्षों में निर्यात में 34 प्रतिशत की वृद्धि करने में देर सक्षम हुआ है7 आज हम लगभग 80 से अधिक देशों में रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे स्वदेशी शस्त्रों की सफलता को देखकर विश्व में हमारे शस्त्रों की मांग भी बढ़ गयी है। देश को नक्सल मुक्त करने के मोदी सरकार के संकल्प ने देश के सामान्य नागरिको में सरकार के प्रति विश्वास जगाया है। नक्सली हिंसा में लिप्त आतंकी अपनी अंतिम सांस गिन रहे हैं। 2014 में नक्सल आतंकवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी। 11 वर्षों बाद 2025 में वह संख्या मात्र 6 रह गई है। बड़े-बड़े इनामी नक्सली आतंकी मुठभेड़ में मारे गए हैं। सरकार के नक्सलमुक्त देश के संकल्प से लगता है कि भावी पीढ़ी नक्सलवाद नाम ही भूल जाएगी। प्रत्येक प्रकार की गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 2 सितंबर 2022 को कोच्चि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना के नए ध्वज का अनावरण किया, जिसमें औपनिवेशिक सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित अष्टकोणीय प्रतीक को स्थान दिया गया। इसमें अशोक स्तंभ, लंगर और नौसेना का आदर्श वाक्य वशं नो वरुण: अंकित है।

'पेसा' से लागू होगा सरना धर्म कोड

राज्य सरकार केंद्र सरकार को दोष देती है, और केंद्र सरकार इसे तकनीकी प्रक्रिया बता कर टालती रही है। यह विषय केवल जनगणना के एक कॉलम भर की बात नहीं है, बल्कि आदिवासी अस्मिता, धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान द्वारा प्रदत्त आत्म-निर्णय के अधिकार से गहराई से जुड़ा है। लेकिन बड़ा सवाल है—क्या इस पूरे विमर्श में कहीं पेसा 1996 को देखा गया है? क्या पेसा कानून, जिसे आदिवासी स्वशासन की आत्मा माना जाता है।

सुधीर पाल

झारखंड की राजनीति इन दिनों एक ऐसे विषय के इर्द-गिर्द घूम रही है, जिसे अगर ठीक से समझा जाए तो यह न केवल राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक आत्मा के लिए भी एक कसौटी-परीक्षण है। हम बात कर रहे हैं सरना धर्म कोड की-एक मांग जो आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान, परंपरा और आत्मनिर्णय से जुड़ा है। बिडम्बना है कि यह गंभीर मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में भावनात्मक शस्त्र के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। सरकार हो या विपक्ष, दोनों ही सरना धर्म कोड विषय पर मौकापरस्त रवैया अख्तियार किए हुए हैं। राज्य सरकार केंद्र सरकार को दोष देती है, और केंद्र सरकार इसे तकनीकी प्रक्रिया बता कर टालती रही है। यह विषय केवल जनगणना के एक कॉलम भर की बात नहीं है, बल्कि आदिवासी अस्मिता, धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान द्वारा प्रदत्त आत्म-निर्णय के अधिकार से गहराई से जुड़ा है। लेकिन बड़ा सवाल है-क्या इस पूरे विमर्श में कहीं पेसा 1996 को देखा गया है? क्या पेसा कानून, जिसे आदिवासी स्वशासन की आत्मा माना जाता है, इस मुद्दे का वैकल्पिक समाधान प्रस्तुत नहीं करता?

झारखंड के आदिवासी समुदाय लंबे समय से एक अलग धर्म पहचान की मांग करते आ रहे हैं जिसे वे सरना धर्म के नाम से जानते हैं। यह धर्म प्रकृति पूजक है, जिसकी मान्यताएँ जंगल, पहाड़, नदी और पुरखों की आत्मा से जुड़ी हैं। सरना धर्म कोड की मांग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना प्रपत्र में एक स्वतंत्र धर्म कॉलम हो, जहाँ आदिवासी समुदाय खुद को हिंदू, ईसाई या किसी अन्य धर्म की श्रेणी में जबरन फिट करने के बजाय, अपनी वास्तविक धार्मिक पहचान के साथ अंकित कर सकें। भारत की जनगणना प्रणाली में आदिवासियों को स्पष्ट रूप से धार्मिक रूप से पहचानने की कोई स्वतंत्र व्यवस्था नहीं रही है। इसका परिणाम यह होता है कि उन्हें आमतौर पर हिंदू या ईसाई मान लिया जाता है, जिससे उनके धार्मिक अस्तित्व को अनदेखा किया जाता है। आदिवासियों का यह दावा रहा है कि उनकी धार्मिक पहचान किसी स्थापित धर्म से मेल नहीं खाती। सरना धर्म वास्तव में एक प्राकृतिक धर्म है जो प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और पूर्वजों की आत्मा की उपासना पर आधारित है।

केंद्र सरकार की विचारधारा: भारत सरकार विशेष रूप से वर्तमान शासन के दौरान आदिवासी आस्था पद्धतियों को सनातन धर्म की उप-धारा मानती रही है। उनके अनुसार, चूंकि आदिवासी भी हिंदुओं की तरह पेड़-पौधों, पत्थर, नदी, झरने, देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, इसलिए वे हिंदू धर्म के ही अंग हैं। यह मान्यता आदिवासी धार्मिक स्वतंत्रता और पहचान की स्वायत्तता के बिलकुल खिलाफ है।

सरना धर्म न तो मूर्तिपूजक है, न ही वह वेदों या शास्त्रों पर आधारित है। उसकी पहचान स्थानीय परंपराओं, प्रकृति और सामुदायिक पूजा में है। इसलिए जब सरकार यह मानती है कि सरना, सनातन का ही रूप है, तो वह आदिवासी समाज की धार्मिक स्वायत्तता का हनन करती है।

सरना अनुयायियों का तर्क है कि उनकी पूजा-पद्धति में कोई संगठित मंदिर, पुरोहित व्यवस्था या धार्मिक ग्रंथ नहीं होते, जो कि ब्राह्मणवादी ढांचे से अलग है। यह भिन्नता केवल सांस्कृतिक नहीं बल्कि धार्मिक और वैधानिक रूप से भी विशिष्ट है।

पेसा और सरना धर्म कोड का अंतर्संबंध: इसी पृष्ठभूमि में पेसा अधिनियम 1996 एक वैधानिक विकल्प और संभावित मार्ग के रूप में उभरता है। पेसा, संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में समुदायों को विशेष अधिकार देने के लिए लाया गया था। इस कानून की धारा 4(डी) की मान्यता है: हर ग्रामसभा को यह अधिकार होगा कि वह अपने क्षेत्र की परंपरा, रिवाज, उपासना पद्धति और धार्मिक विश्वासों का संरक्षण, संवर्धन और दस्तावेजीकरण कर सके। यहां तीन शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं संरक्षण, संवर्धन, और दस्तावेजीकरण। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है।

इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अगर राज्य सरकार ईमानदारी से चाहे तो वह पेसा को प्रभावी रूप से लागू करके ग्रामसभाओं को यह अधिकार दे सकती है कि वे सरना को अपनी मान्य उपासना पद्धति के रूप में दस्तावेजीकृत करें। एक बार जब यह दस्तावेजीकरण ग्रामसभा के स्तर पर हो गया और उसे राज्य मान्यता दे दे, तो यह कानूनी रूप से मान्य दस्तावेज बन सकता है, जिससे जनगणना या सरकारी पहचान में सरना धर्म की वैधानिकता को बल मिलेगा। यह एक क्रांतिकारी प्रावधान है। यह पहली बार भारतीय कानून में यह स्वीकार किया गया कि परंपरा, रिवाज और उपासना पद्धति केवल संस्कृति नहीं, बल्कि वैधानिक अधिकार हैं। यह वह कानूनी आधार है जो सरना धर्म जैसी आस्था को स्थानीय स्वीकृति से लेकर राज्यस्तरीय मान्यता तक पहुंचा सकता है।

धर्म के आवरण में दरिंदिगी:कुछ तो गड़बड़ है

निर्मल रानी

हमारे देश में जितना अधिक धर्म का ढिंढोरा पीटा जा रहा है अधर्म भी उतनी ही तेज़ी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। ख़ासतौर से जब से आसाराम,स्वामी चिन्मयानंद,गुरमीत राम रहीम,स्वामी नित्यानंद,दाती महाराज, रामपाल, आसाराम के कुपुत्र नारायण साईं, भीमानंद महाराज उर्फ़ शिवमूरत द्विवेदी,राम शंकर तिवारी उर्फ़ स्वामी परमानंद व आशु भाई महाराज जैसे स्वयंभू संतों व डेरा संचालकों से जुड़े मामले सामने आये व इनमें से कई को बलात्कार व यौन शोषण के मामले में जेल जाना पड़ा तब से तो धर्म क्षेत्र में इसतरह के कुकर्मों की गोया झड़ी सी लग गयी। देश में न जाने कितने साधु वेश धारी मंदिर के पुजारी या किसी न किसी रूप में धर्म क्षेत्र से जुड़े लोग यौन हिंसा के शर्मनाक मामलों में पकड़े जा चुके हैं। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीपक वर्मा नामक एक बलात्कारी को थाना आलमबाग़ के अंतर्गत पुलिस ने सूर्योदय से पूर्व ही सुबह सवेरे मुठभेड़ में मार गिराया ,यह व्यक्ति भी धर्म का चोला ओढ़े रहता था। स्वयं को माता का भक्त प्रदर्शित करने वाला यह कुकर्मी माता रानी के जागरण समारोहों में झांकियां सजाने व झांकियां निकालने का काम किया करता था। इस ने चंद्रनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ढाई-तीन साल की बच्ची को, जो अपने पिता के साथ लेटी हुई थी,चुपके से उसका अपहरण कर उसे उठा लगाया। बाद में इस व्यक्ति ने उस बच्ची के साथ बड़ी ही बेरहमी के साथ दुष्कर्म किया था। मासूम बच्ची अभी भी गंभीर अवस्था में इलाज करा रही है। पुलिस ने माता भक्त इस आरोपी पर एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था। उसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और गत वीरवार को देर रात थाना आलमबाग क्षेत्र के मवैया के निकट एनकाउंटर में ढेर कर दिया। भारत जैसे धर्म प्रधान देश में में यौन शोषण के मामलों का तेज़ी से बढ़ना अत्यंत चिंता का विषय है। हालाँकि देश में यौन शोषण को लेकर काफ़ी कड़े क़ानून भी बने हुये हैं फिर भी यह एक प्रमुख सामाजिक समस्या बनी हुई है। ख़ासकर धर्म क्षेत्र में कुकर्मियों व अधर्मियों का प्रवेश कर जाना धार्मिक सीख व शिक्षाओं पर भी सवाल खड़े करता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक 22 मिनट में एक बलात्कार का मामला दर्ज होता है। इसमें वह मामले शामिल नहीं हैं जो भयवश या लाज वाश अथवा सुलह सफ़ाई के बाद या फिर सामाजिक कलंक या कमज़ोर क़ानूनी व्यवस्था के कारण दर्ज नहीं होते और वह सरकारी रिकार्ड में नहीं आ पाते। अन्यथा यह आंकड़े और भी चौंकाने वाले हो सकते हैं। वैसे तो दक्षिण अफ़्रीक़ा,स्वीडन,संयुक्त राज्य अमेरिका,इंग्लैंड,मिस्र,फ़्रांस व इथियोपिया जैसे देश भी महिला शोषण व बलात्कार जैसे मामलों में बदनाम देशों की सूची में शामिल हैं। परन्तु इनमें से कोई भी देश धर्म का उस स्तर पर ढिंढोरा नहीं पीटता जितना भारत में देखने को मिलता है। स्वयं को धर्म प्रधान प्रदर्शित करने वाले भारत जैसे देश में बेशक यह एक अत्यंत गंभीर व संवेदनशील मुद्दा है। कहीं आश्रमों,मंदिरों व चर्चों में यौन शोषण के मामले सामने आते हैं जहाँ महंत, पुजारी,पादरी जैसे धर्म के आवरण में छुपे लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगता है। जैसे कुछ समय पूर्व कानपुर में एक पीड़िता को पहले नशीला लड्डू खिलाया गया फिर उसका यौन शोषण कर घटना का वीडियो बनाकर उसे धमकाया गया। चार महीने बाद गोविंद नगर थाने में शिकायत तो दर्ज ज़रूर हुई, लेकिन परन्तु चूँकि महंत, पुजारी, और अन्य रेपिस्ट प्रभावशाली थे इस कारण उनके विरुद्ध पुलिस ने देर से कार्रवाई की। इसी तरह मई 2025 में आगरा के एक मंदिर में 5 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना चर्चा में रही। इस मामले में पुलिस ने शुरू में आरोपी को छोड़ दिया था लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद उसे फिर से गिरफ़्तार किया गया।

खास बात

मुंबई महानगर पालिका पर कब्जा करेगा ठाकरे परिवार

उद्धव ठाकरे की शिवसेना इन दिनों मुंबई में काफी कमजोर स्थिति में है। ठाकरे परिवार हमेशा मुंबई महानगरपालिका में पूरी ताकत के साथ राज करता आया है। एकनाथ शिंदे ने शिवसेना की इस ताकत को तोड़ दिया है।एनसीपी इस बार भाजपा के साथ जाती हुई दिख रही है। अकेली शिवसेना उद्धव ठाकरे कमजोर है।ऐसी स्थिति में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को एक साथ एक मंच में लाने की कोशिश मुंबई में तेज हो गई है। मुंबई महानगर पालिका के चुनाव में दोनों ठाकरे बंधु मिलकर चुनाव लड़ेंगे? ठाकरे परिवार मुंबई मैं अपनी ताकत बनाए रखना चाहता है।सही मायने में महानगर पालिका के पार्षद ठाकरे परिवार की ताकत हैं। दोनों भाई इस बात को समझते हैं। एक बार फिर दोनों भाई साथ-साथ दिखेंगे।

भाजपा ने असम की सीट सहयोगी दल को दी

बीजेपी राज्यसभा में अपने सांसदों की संख्या बढ़ाने में लगी हुई है। पहली बार असम में देखने को मिला, भाजपा ने अपनी सीट असम गढ़ परिषद को दे दी है। असम की राज्यसभा सीट असम गण परिषद का उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा। आंध्र प्रदेश में भाजपा ने ठीक इसका उल्टा किया था। आंध्र प्रदेश से दो भाजपा के सदस्य मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के सहयोग से राज्यसभा में प्राप्त किए थे। राज्यसभा चुनाव को लेकर एक बार फिर जोड़-तोड़ शुरू हो गई है। असम में 126 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा के 64 विधायक हैं।वह अपने दम पर अपना उम्मीदवार जिता सकती थी। उसके बाद भी आठ विधायकों वाली पार्टी के लिए भाजपा ने अपनी एक सीट कुर्बान कर दी है। जिसके कारण राजनीतिक हल्कों में इसे आश्चर्य के रूप में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी, चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों चुनाव आयोग को निशाने पर रखे हुए हैं। महाराष्ट्र के चुनाव में हुई गड़बड़ी राहुल गांधी की प्राथमिकता में है।जिसके कारण महाराष्ट्र सरकार संशय में है। हाई कोर्ट के जो आदेश हो रहे हैं। एक-एक करके चुनाव आयोग की जो कलई खुल रही है। उसने भाजपा और महाराष्ट्र सरकार की चिंता को बढ़ा दिया है। महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग को लेकर यदि हाईकोर्ट से कोई आदेश हो जाएंगे। चुनाव आयोग की गड़बड़ी पकड़ ली जाएगी। ऐसी स्थिति में महाराष्ट्र में बड़ा भूचाल आना तय है। इस बात की आशंका व्यक्त की जा रही है। महाराष्ट्र की राजनीति इन दिनों बड़ी तेज हो गई है।

तुर्कीए के बहिष्कार अभियान का क्या हुआ?

पहलगाम कांड के बाद पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर भारत ने हमला किया था। तुरकिए ने पाकिस्तान की खुलकर मदद की थी। पाकिस्तान को तुर्कीए ने सैन्य मदद दी। जिसके कारण भारत में गुस्सा फैला, तुर्की का बहिष्कार अभियान शुरू किया गया। अभिनेता आमिर खान को देशद्रोही ठहराया जाने लगा।क्योंकि वह तुर्कीए के राष्ट्रपति से मिले थे। भारत के पर्यटकों ने वहां जाना बंद कर दिया था। अचानक यह अभियान थम गया। भारत के पर्यटक अब तुर्कीए जाने लगे हैं।भारत ने अपने निर्यात व्यापार के कारण बहिष्कार अभियान से अपने आपको दूर कर लिया। सरकार घोषणाएं बड़ी-बड़ी कर देती है। वह हवा हवाई होती हैं। कुछ समय के बाद लोग भूल जाते हैं। यही बहिष्कार का सच है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, दोइज शुक्रवार पू.षा. नक्षत्रे, वृण योगे, विव करणे, धनु की चंद्रमा, भद्रा 52/39 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्द-हठी, स्वाभिमानी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपाल, वक्ता-अधिवक्ता, नेता, शासक-प्रशासक, विधायक, राजमंत्री, पंडित, विद्वान, मठ-मंदिर का निर्माणकर्ता होगा।

मेष राशि- स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन ही सफलता है, व्यवसाय में उन्नति होगी।

वृष राशि- कार्य में सफलता मिलेगी, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, शत्रु वर्ग का जोर होगा।

मिथुन राशि- यह सप्ताह उत्तम फलकारक है, अधिकारियों का पूर्ण सहयोग अवश्य मिलेगा।

कर्क राशि- नौकरी में व्यावधान हो सकता है, व्यवसाय ठीक नहीं है, भवुकता से हानि होगी।

सिंह राशि- आनंद का अनुभव करेंगे, केतु गृह पीड़ा कारक है, काफी मतभेद अवश्य होंगे।

कन्या राशि- मनोरंजन में अति हर्ष होगा, व्यवसाय में लाभ होगा तथा कार्य अवश्य होगा।

तुला राशि- पारिवारिक उत्तर दायित्व की वृद्धि होगी, आमोद-प्रमोद में विरोध अवश्य होगा।

वृश्चिक राशि- मानसिक तनाव अनावश्यक बढ़ेगा, स्वजनों की सहायता अनुभूति अवश्य होगी।

धनु राशि- व्यवसाय की उन्नति में आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार अवश्य होगा, ध्यान दें।

मकर राशि- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारियों की कृपा का लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि- इष्ट मित्रों से अच्छा सहयोग मिले तथा उत्तम लाभ के योग अवश्य बनेंगे।

मीन राशि- गृह-कलह, हीन मनोवृत्ति, शरीर पीड़ा, परेशानी अवश्य ही बनेगी, व्यापार में व्यावधान होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

13 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.26 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	07.39 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.56 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.07 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.18 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.33 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.49 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.41 बजे से
राहुकाल		मीन	00.13 बजे से
10.30 से		मेष	01.44 बजे से
12.00 बजे तक		वृष	03.24 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 164 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 15.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 23.21 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 13.48 बजे को समाप्त।
करण गर 15.19 बजे तदनन्तर वणिज 03.36 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 13'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872374
जूलियन दिन 2460839.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

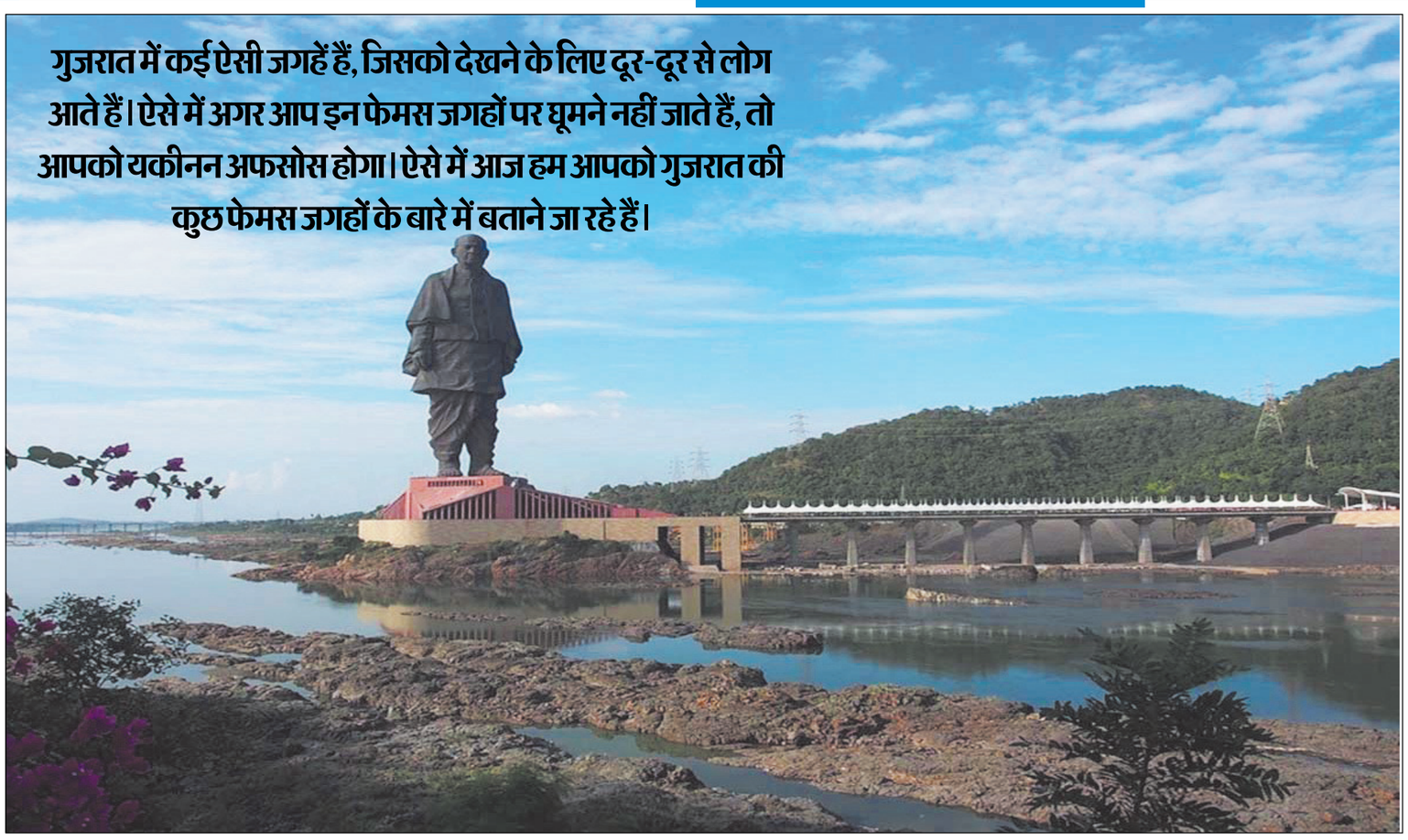

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी

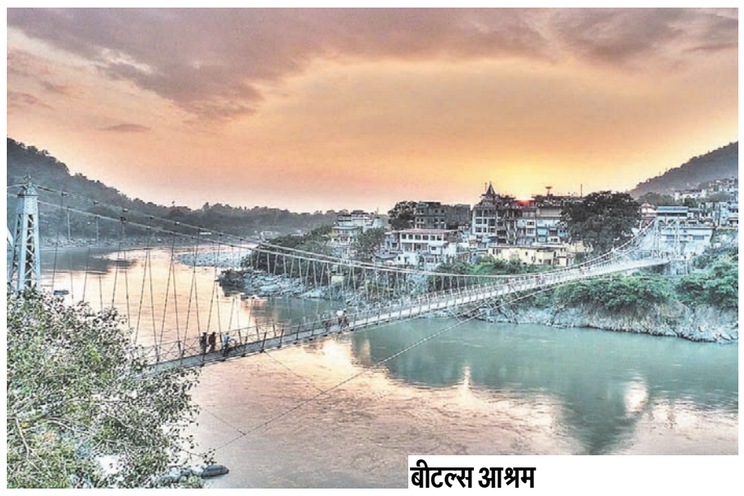

सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

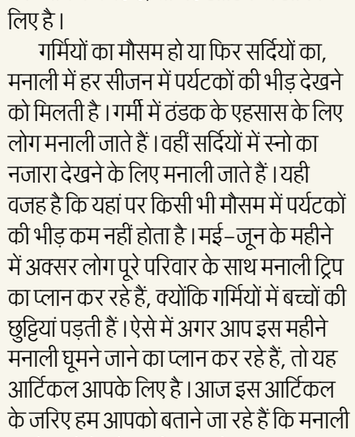

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर-हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा

दुबई। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी छाये हुए हैं। इसमें शीर्ष 10 में से छह भारतीय हैं जिनमें तीन बल्लेबाज शामिल है। इसमें तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा हैं। बल्लेबाजों में तिलक वर्मा ताजा रैंकिंग में एक स्थान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। सूर्यकुमार छठे स्थान पर फिसल गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में रहस्यममीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं। तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह अपने ही साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा से पीछे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बने हुए हैं।

इंग्लैंड के आदिल ने रैंकिंग में हसरंगा, वरुण को पीछे छोड़ा

साउथेम्पटन। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद के पास आईसीसी पुरुष टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचने का अच्छा अवसर है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन से वह रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आदिल ने सीरीज में 4 विकेट लिए थे। आदिल ने श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और भारत के वरुण चक्रवर्ती को पीछे छोड़ा है। उनकी रेटिंग 710 है, जो कि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब 723 से पीछे है। आदिल के साथी ब्रायडन कार्से को भी वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी का लाभ मिला है और वह अंतिम दो मैचों में 2 विकेट लेने के साथ ही 16 पायदान की छलांग लगाकर 52वें (493) स्थान पर पहुंच गए हैं।

पूरन के बाद कुछ और खिलाड़ी भी ले सकते हैं संन्यास: सैमी

जमैका। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा है कि निकोलस पूरन के बाद कई अन्य क्रिकेटटर भी संन्यास ले सकते हैं। पूरन ने 29 साल की उम्र में ही लीग क्रिकेट खेलने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद उन्हें अमेरिकी क्रिकेट लीग में एक फ्रैंचाइजी ने कप्तान भी बना लिया। सैमी के अनुसार ये यह घटना वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए एक बड़ी चुनौती को बता रही है। पिछले कुछ सप्ताह में कई स्टार खिलाड़ियों ने खेल को अलविदा कहा है। सैमी का मानना है कि आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज पूरन का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेना खिलाड़ियों को अपनी राष्ट्रीय टीमों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित रखने में रही रही चुनौती को साबित करता है।

विराट कोहली सहित अधिकतर क्रिकेटर आज दाढ़ी में दिखते है

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कॉलिन अपने लुक को लेकर अधिक चर्चाओं में रहे

सिडनी, एजेंसी। आम तौर पर क्रिकेटर अपने खेल के साथ ही अपने लुक को भी लेकर चर्चाओं में रहते हैं। क्रिकेटर्स के लुक और उनकी हेयरस्टाइल हमेशा से छायी रहती है। आजकल अधिकतर क्रिकेटर स्टायलिश दाढ़ी में नजर आते हैं। विराट कोहली सहित अधिकतर क्रिकेटर आज दाढ़ी में दिखते है। वहीं कई साल पहले एक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कॉलिन मिलर हर मैच में अपने बालों के बदले रंग और स्टाइल के कारण गेंदबाजी से अधिक बालों को लेकर आकर्षण का केन्द्र बने थे।

कोलिन एक ऑफ-ब्रेक गेंदबाज थे जो लंबे रन अप के साथ गेंदबाजी करते थे और जरूरत पड़ने पर उन्होंने कई बार नई गेंद की जिम्मेदारी भी संभाली, इस गेंदबाज ने साल 2001 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। वह अपने समय के सबसे प्रभावशाली स्पिनरों में से एक थे।

कोलिन अपने रंगीन हेयरस्टाइल के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने कई बार अपने बालों को नीला, गुलाबी और अन्य रंगों में रंगा, जो उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन गया था। उनका यह अंदाज क्रिकेट जगत में एक नई पहचान बन गया था। कोलिन का योगदान केवल उनके खेल तक सीमित नहीं था। उन्होंने क्रिकेट जगत में अपनी अनूठी शैली और व्यक्तित्व के माध्यम से एक नई पहचान बनाई। उनके रंगीन हेयरस्टाइल और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें एक विशेष स्थान दिलाया। एक मैच के दौरान, मिलर ने अपने बालों को नीला रंगवाया और वेस्ट इंडीज के दिग्गज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श का ध्यान भंग कर दिया। वॉल्श मिलर के बालों के रंग को देखकर लगातार हंसते रहे जिसकी वजह से मैच थोड़ी देर के लिए रुक गया था। मिलर के लुक के उस समय के कप्तान स्टीव वॉ भी फैन थे. एक बार मिलर को इंग्लैंड में रानी से मिलने का अवसर मिला। रंगीन हेयरस्टाइल के कारण उन्हें रानी से मिलने में संकोच हुआ थे।

लंबे रनअप के साथ तेज ऑफ स्पिन करने वाले कॉलिन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 18 टेस्ट और 69 एकदिवसीय मैच खेले। उनकी गेंदबाजी शैली में विविधता और बल्लेबाजी में आक्रामकता ने उन्हें एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाया। उनकी गेंदबाजी में ऑफ स्पिन और मध्यम गति दोनों का मिश्रण था, जो बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होता था। कोलिन मिलर का क्रिकेट के प्रति उनका जुनून, मैदान पर उनका अनोखा अंदाज और रंगीन हेयरस्टाइल उन्हें हमेशा यादगार बनाए रखेंगे।

लंदन में महिलाओं के युगल क्वार्टर फाइनल में खेलती हुई ब्रिटेन की इमा रेडूकाने।

महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में हासिल किया तीसरा स्थान

सिफत कौर सामरा ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई।

भारत की शीर्ष निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए। नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी। क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई।

फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए लेकिन 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण शीर्ष पर रहीं। स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य भारतीयों में आशी चौकसे क्वालीफिकेशन में 589 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं जबकि अंजुम मौदगिल ने 586 अंक के साथ 27वां स्थान हासिल किया।

शुभमन इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा:पुजारा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि नये कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि इंग्लैंड के अलग हालातों में अगर वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में सफल रहे तो इससे उनका और टीम का मनोबल काफी बढ़ जाएगा जिससे लाभ आगे भी होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन को मिली है। पुजारा ने कहा, जब आप कप्तान के तौर पर विदेश जाते हैं, तो चाहे आप युवा हों या परिपक्व, यह चुनौतीपूर्ण होगा। इंग्लैंड में शुरुआत करना आसान नहीं होता है पर यह एक युवा खिलाड़ी के लिए शानदार अवसर है। अगर वह इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। पुजारा ने कहा, उन्हें अनुभवी जसप्रीत बुमराह से पहले यह जिम्मेदारी इसलिए दी गई है क्योंकि बुमराह काम के बोझ और फिटनेस की परेशानियों के कारण सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, ''इसलिए अगर ऐसे में युवा शुभमन को जिम्मेदारी दी गई है तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ता चाहेंगे कि वह लंबे समय तक टीम की कप्तानी करें।'' उन्होंने शुभमन को कप्तानी और बल्लेबाजी को अलग रखने को कहा। उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर भी उन पर काफी जिम्मेदारी रहेगी पर मुझे भरोसा है कि जिस तरह की प्रतिभा उनमें है, वह इंग्लैंड में सफल होंगे। यह निश्चित रूप से उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे नहीं पता कि कप्तान होने के नाते वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं पर एक बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास किये हैं। वह हमेशा ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं, ऐसे में उनपर कप्तानी का दबाव आने की संभावना नहीं है।

व्यापार समाचार

बोले वाणिज्य मंत्री

भारत का माल और सेवा निर्यात चालू वित्तीय वर्ष में 900 अरब डॉलर को पार कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इस्राइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण अनिश्चितताओं के बावजूद, देश का समग्र निर्यात 2024-25 में 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। 2023-24 में यह 778 बिलियन अमरीकी डॉलर था। इस बारे में देश के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का क्या कहना है, आइए जानते हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025-26 के दौरान भारत का वस्तु एवं सेवा निर्यात 900 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण अनिश्चितताओं के बावजूद, देश का समग्र निर्यात 2024-25 में 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। 2023-24 में यह 778 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

उन्होंने कल रात भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा, हमने पिछले वर्ष 825 अरब डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है और इस वैश्विक उथल-पुथल के बीच हम इस वर्ष निश्चित रूप से 900 अरब डॉलर के निर्यात को पार कर जाएंगे।

मंत्री दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपने स्वीडिश समकक्ष और कंपनियों से मिलने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं।

शीर्ष निर्यातकों के संगठन फियो ने अनुमान लगाया है कि देश का समग्र वस्तु एवं सेवा निर्यात 2025-26 के दौरान सालाना आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

स्वीडन के स्टॉकहोम में बोलते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, भारत में जो अवसर, कौशल, क्षमता, मांग और निर्णायक नेतृत्व है- यह सब देखकर स्वीडिश कंपनियों को भी लगता है कि भविष्य भारत में है। 2047 तक आठ गुना बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था से हर कोई लाभ उठाना चाहता है।

आयात शुल्क घटाने से खाने के तेल के गिरे भाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खाने के तेलों के सीमा शुल्क में 50 फीसदी की कटौती का ऐलान किया है। कच्चे सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल पर शुल्क को 20 फीसदी से 10 फीसदी कम कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 फीसदी से 19.25 फीसदी हो गया है। सरकार ने कंपनियों को अपने ग्राहकों को भी इस लाभ का हिस्सा बनाने का निर्देश दिया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव ने प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की, जिसमें शुल्क कटौती के फायदे को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। सरकार ने 31 मई को पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क में 50 फीसदी की कटौती कर इसे 20 से 10 फीसदी पर ला दिया था। अधिकारियों ने कहा, 19.25 प्रतिशत शुल्क का अंतर घरेलू रिफाइनिंग क्षमता उपयोग को प्रोत्साहित करने और रिफाइंड तेलों के आयात को कम करने में मदद करेगा। खाना पकाने वाले तेलों की कीमतें एक साल में 25 फीसदी से तक बढ़ी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, वनस्पति तेल का भाव बुधवार को 155 रुपये लीटर था, जो एक साल पहले 126 रुपये था।

देश में निजी खपत में गिरावट आई

सरकार ने राजकोषीय घाटे का लक्ष्य किया हासिल, बीओबी की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में निजी खपत में मामूली गिरावट हुई है। हालांकि, सरकार ने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में भारत की निजी खपत में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी के 4.8 प्रतिशत राजकोषीय घाटा का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। अब वित्त वर्ष 2026 में इस अनुपात को कम करके 4.4 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

सरकारी उपभोग खर्च में आई सिकुड़न: रिपोर्ट के अनुसार वास्तविक निजी उपभोग व्यय में वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वित्त वर्ष 2024 में दर्ज 6.2 प्रतिशत की वृद्धि से मामूली गिरवाट को दर्शाता है। इसके अलावा सरकारी उपभोग खर्च में भी सिकुड़न देखने को मिली। वित्त वर्ष 24 में यह 6.6 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 25 में घटकर 1.8 प्रतिशत रह गई।

उपभोग मांग में दिखी मिली जुली तस्वीर: रिपोर्ट में बताया गया कि मई 2025 तक देश में उपभोग मांग में मिली-जुली तस्वीर देखने को मिली। इसमें कहा गया कि गैर तेल गैर सोना और इलेक्ट्रॉनिक आयात में सुधार हुआ। वहीं ऑटो बिक्री, इस्पात खपत और बिजली की मांग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में धीमी गति देखी गई। कृषि क्षेत्र की बात करें तो सरकार ने खरीफ फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा की है।

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रह में आई गिरावट: वित्त वर्ष 2025 में कुल सरकारी खर्च संशोधित अनुमान (आरई) से कम रहा। कुल राजस्व व्यय 36 लाख करोड़ रुपये रहा, जो संशोधित अनुमान 37 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। प्रत्यक्ष कर संग्रह में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल 34.1 प्रतिशत की वृद्धि थी। वहीं, अप्रत्यक्ष कर वृद्धि पिछले साल के 6.3 प्रतिशत की तुलना में 4.3 प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में कर राजस्व संग्रह में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है।

वस्तु एवं सेवा निर्यात के 900 अरब डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद: गोयल

स्टॉकहोम। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025-26 में भारत के वस्तु एवं सेवा निर्यात के 900 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इज़राइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद देश का समग्र निर्यात 2023-24 में 778 अरब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2024-25 में 825 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। गोयल ने बुधवार रात भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल से कहा ?कि हमने पिछले वित्त वर्ष निर्यात में 825 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया। वैश्विक उथल-पुथल के बीच हम चालू वित्त वर्ष में निश्चित रूप से निर्यात में 900 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएंगे।

रेमंड अपना रियल एस्टेट कारोबार करेगा सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रेमंड लिमिटेड अपने रियल एस्टेट कारोबार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने पर ?विचार कर रहा है। कंपनी ने विकास अवसरों का लाभ उठाने के लिए इस कारोबार को अलग किया है। रेमंड लिमिटेड ने सभी विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद रियल एस्टेट कारोबार को सफलतापूर्वक अलग कर दिया है और अब वह इंजीनियरिंग कारोबार पर ध्यान केंद्रित करेगी। रेमंड लिमिटेड ग्रुप के एक मुख्य वित्तीय अधिकारी ने विश्लेषकों से कहा कि हमने अपने रियल एस्टेट व्यवसाय को सफलतापूर्वक अलग कर लिया है और सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त कर लिए हैं। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में हम रियल एस्टेट व्यवसाय को सूचीबद्ध कर देंगे। मुंबई स्थित रेमंड लिमिटेड देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह में 200 से अधिक कार विनिर्माता भागीदारी

नई दिल्ली, निप्र। भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह (आईईएसडब्ल्यू) में 200 से अधिक घरेलू यात्री कार विनिर्माता और अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों के भागीदारी करने की संभावना हैं। बयान के अनुसार, उद्योग निकाय इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए) आठ जुलाई से 10 जुलाई तक नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आईईएसडब्ल्यू के 11वें संस्करण की मेजबानी करेगा। आईईएसडब्ल्यू 2025 में 200 से अधिक घरेलू यात्री कार विनिर्माताओं और अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माताओं के आने का अनुमान है, जिससे भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के दृष्टिकोण को बल मिलेगा। भारत खुद को दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर (ई-3डब्ल्यू) बाजारों में से एक के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में आयोजित होने वाले आईईएसडब्ल्यू 2025 कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, फिनलैंड, कनाडा, अमेरिका, इज़राइल और दक्षिण कोरिया के 150 से अधिक प्रमुख साझेदारों, प्रदर्शकों और 1,000 से अधिक कंपनियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। आईईएसए के अध्यक्ष ने कहा ?कि एसपीएमईपीसीआई एक क्रांतिकारी कदम है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के औद्योगिक परिवर्तन के दृष्टिकोण को मजबूत करेगा। आईईएसडब्ल्यू के माध्यम से हम विश्व स्तरीय नवाचारों और विदेशी निवेशों को देखेंगे जो हमारे उद्योग को आगे बढ़ाएंगे।

आठ जुलाई से 10 जुलाई तक नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में होगा आयोजन

मध्यमवर्गीय मरीजों को भी बेहतर इलाज दिलाने का संकल्प

सिंहस्थ पूर्व इन्दौर की चारों दिशाओं में नए अस्पताल होंगे:डॉ. हसानी

इन्दौर, एजेंसी। शहर के नवनियुक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि सिंहस्थ 2028 के पूर्व इन्दौर शहर की चारों दिशाओं में सिविल अस्पताल स्थापित हो जाएँ ताकि आम जन को शासकीय अस्पतालों में बेहतर इलाज मिल सके।

डॉ. हसानी स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि फिलहाल इन्दौर में पश्चिम क्षेत्र चन्दन नगर में जिला अस्पताल है। इस अस्पताल में भी वर्ष 2018 से धीमी गति से विकास कार्य चल रहा है। उनकी प्राथमिकता रहेगी कि जिला अस्पताल में शेष कार्य जल्द पूर्ण हों। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला सिंहस्थ के मद्देनजर स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष फोकस किए हुए हैं। उनकी कोशिश रहेगी कि 2028 के पूर्व राऊ, खजराना, स्कीम नं 78 में भी 200 बेड के सिविल अस्पताल स्थापित हो जाएँ ताकि महानगर की जनता को हर कौने में इलाज मिल सके।

डॉ. हसानी ने जानकारी दी कि जिले में स्वास्थ्य विभाग का बड़ा अमला है। स्वास्थ्य विभाग के पांच हजार कर्मचारी, दो हजार आशा कार्यकर्ता, महिला-बाल विकास तथा स्कूल शिक्षा विभाग के भी सैकड़ों कर्मचारी मिलकर बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वन में संलग्न हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि मौजूदा स्टाफ से जिस तरह के नतीजे आना चाहिए उसमे कुछ कमी है, उनकी कोशिश रहेगी कि वे मौजूदा हालातों को सुधारें।

उन्होंने बताया कि इन्दौर में जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, 70 शहरी मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, तहसील स्तरीय पांच सामुदायिक अस्पताल, 134 उप-स्वास्थ्य केंद्र आदि के माध्यम से मरीजों को नि:शुल्क इलाज देने का कार्य जारी है।

डॉ. हसानी ने कहा कि निम्न वर्ग के लिए पांच लाख रु. तक नि:शुल्क इलाज का प्रावधान है लेकिन देखने में आया है मध्यमवर्गीय मरीज इलाज के लिए जब निजी अस्पतालों की चौखट पर चढ़ता है तो उसकी जमापूंजी खत्म हो जाती है और कई मर्तबा कर्जा भी लेना पड़ जाता है।

अमेरिका व्यापार समझौतों की बढ़ सकती है समयसीमा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका की व्यापारिक नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने की तैयारी का संकेत दिया है। ट्रंप ने बताया कि उनकी व्यापक टैरिफ नीति को लागू होने से पहले वे 9 जुलाई की समयसीमा को आगे बढ़ा सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने कहा कि वे 15 देशों के साथ व्यापार वार्ता चला रहे हैं, जिसमें दक्षिण कोरिया, जापान और यूरोपीय संघ भी शामिल है। उन्होंने प्रत्येक देश से समझौता करने की स्थिति में हैं और मामले पर विचार करने के लिए समय देने के विकल्प का जिक्र किया।

संक्षिप्त समाचार

आस्ट्रेलिया में पं. धीरेन्द्र शास्त्री बोले-सोनम जैसी पत्नियों की करतूत देख डरने लगे हैं पुरुष

आस्ट्रेलिया। मध्य प्रदेश के इंदौर के ट्रांसफोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की मेघालय में हुई हत्या के मामले में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में कथा के दौरान कहा कि अभी भारत में तो पत्नियों का बड़ा ट्रेंड चल रहा है। एक से एक खतरनाक नीले ड्रम वाली देवियां निकल रही हैं। अभी कल नई खबर आई सोनम की... इससे हमारे जैसे अविवाहित पुरुष डरने लगे हैं। पहले लगता था अरेंज मैरिज सही है। फिर लगा कि लव मैरिज सही है। अब दोनों ही बेकार लगने लगी। जब से यह राजा वाला कांड सुना है। बड़ा बेकार है। दरअसल, पंडित धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर हैं। गुरुवार को उनका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें उन्होंने भारत में हो रही शादियों के बाद मर्डर की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना के बाद अविवाहित पुरुषों में डर का माहौल है। हम भी शादी से डरने लगे हैं।

अमेरिका ने असीम मुनीर को दिया न्यौता, परेशान हुआ चीन, पाक में भी विरोध

वाशिंगटन। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर वॉशिंगटन डीसी पहुंचेंगे। उन्हें अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आमंत्रित किया गया है। पाकिस्तान में जनरल असीम मुनीर की इस यात्रा को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कई लोग उन्हें अपराधी कहकर अमेरिका यात्रा का विरोध कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने इस दौरे के खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन की योजना बनाई है। पाकिस्तान की ओर से इस यात्रा के दौरान अफगानिस्तान से संचालित होने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के बढ़ते खतरे पर चर्चा किए जाने की संभावना है। साथ ही, पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका से समर्थन मांग सकता है। हालांकि भारत हमेशा इस मुद्दे को द्विपक्षीय बताता रहा है और अमेरिका भी उसी नीति का समर्थन करता है। बता दें कि समारोह 14 जून को आयोजित होगा, जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 79वें जन्मदिन के दिन से मेल खाता है। हालांकि मुनीर की इस यात्रा का उनके ही देश में विरोध होने लगा है।

यूनुस की तानाशाही का काला चिट्ठा: बांग्लादेश की जेलों में हो रही टारगेट किलिंग

ढाका। बांग्लादेश की जेलों में अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की टारगेट किलिंग हो रही है और इसके पीछे एक संगठित साजिश है। अवामी लीग ने सोमवार को इस 'काली किताब' का एक और पन्ना खोला, जिसमें उन्होंने यूनुस सरकार को सीधे इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। पार्टी के ताजा बयान में कहा गया, 'देशभर की जेलों में हमारे कार्यकर्ताओं की रहस्यमयी मौतें और क्रूर दमन चिंता का विषय है। यह कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं है, बल्कि यूनुस समर्थित छाया प्रशासन का एक गुप्त अभियान है, जिसका मकसद भय और दमन के जरिए अवामी लीग की राजनीतिक ताकत को तोड़ना है। अवामी लीग ने अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का दावा है कि कई मामलों में चिकित्सा सुविधा जानबूझकर नहीं दी गई। कई कार्यकर्ताओं को अलगाव में रखा गया, जहर दिया गया, रासायनिक हमलों से उनका दिल बैठाया गया और शारीरिक यातनाएं दी गईं।

मीठी नदी सफाई घोटाला मामले में अभिनेता डिनो मोरिया से ईडी ने की फिर पूछताछ

मुंबई। मुंबई में मीठी नदी की सफाई में हुए 65 करोड़ रुपये के घोटाला मामले में गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया से पूछताछ कर उनका बयान रिकार्ड किया है। डिनो मोरिया आज सुबह करीब 10.30 बजे दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट स्थित ईडी के कार्यालय में पहुंचे थे। इस मामले में ईडी ने 6 जून को मुंबई और केरल के कोच्चि में 15 से अधिक स्थानों पर तलाशी ली थी थी, जिसमें यहां बांद्रा इलाके में डिनो मोरिया के परिसर, उनके भाई सैंटिनो से जुड़े परिसर, मुंबई नगर निगम के कुछ अधिकारी और ठेकेदार शामिल हैं। कोच्चि में तलाशी ली गई, क्योंकि बीएमसी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को गाद निकालने के उपकरण उपलब्ध कराने वाली कंपनियों में से एक इसी शहर में स्थित है। इस तलाशी अभियान के बाद पिछले सप्ताह ईडी ने डिनो मोरिया को समन जारी कर ईडी दफ्तर में पेश होने को कहा था। इसके फलस्वरुप आज डिनो मोरिया ईडी के समक्ष पेश हुए हैं और उनका बयान रिकार्ड किया जा रहा है।

डॉ. सोनल मानसिंह को राज्यपाल ने श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार से किया सम्मानित

गुवाहाटी। कला, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के भव्य उत्सव के रूप में गुरुवार को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित एक विशेष समारोह में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने भारत की प्रतिष्ठित शास्त्रीय नृत्यांगना पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह को श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राहुल को उनकी ही पार्टी गंभीरता से नहीं लेती : नितिन गडकरी

नागपुर ■ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बारे में कहा कि वे ऐसे नेता है, जिनको उनकी खुद की पार्टी गंभीरता से नहीं लेती। गडकरी ने राहुल की ओर से प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र पर टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को कोई भी चिट्ठी भेज सकता है, लेकिन हर खत का जवाब देना और उस पर बात करना जरूरी नहीं है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार की उपलब्धियों को बताया। उन्होंने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री को भेजी गई एक चिट्ठी पर अपनी राय रखी। पीएम मोदी को पत्र लिखकर राहुल ने कहा है कि दलित, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए आवासीय छात्रावासों की स्थिति बहुत दयनीय है। वंचित वर्ग के छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति में देरी को हल करने का आग्रह करते हुए राहुल गांधी कहा कि ये दोनों मुद्दे इन वर्गों के 90 प्रतिशत छात्रों के शिक्षा के अवसर में बाधा डालते हैं। इस बारे में जब केंद्रीय मंत्री से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को खुद उनकी पार्टी गंभीरता से नहीं लेती। इस बारे में मुझे कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। प्रजातंत्र में प्रधानमंत्री को कोई भी खत लिख सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर खत का जबाब दिया जाए। गडकरी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वह राहुल की हर बात पर बयान देना उचित नहीं मानते। गडकरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की 11 साल की उपलब्धियों की प्रशंसा की। गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की सरकार के 11 साल पूरे हुए। यह कार्यकाल बदली देश में बदली हुई सरकार नहीं, बल्कि बदले हुए युग का प्रतीक है। इस कार्यकाल में हमारे देश की समृद्धि, सुरक्षा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव चारों आयामों में पीएम मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व युगांतकारी परिवर्तन हुए हैं।

लाल बहादुर शास्त्री अकादमी के कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा

नीतियां बनने के बाद, उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना अधिकारियों की जिम्मेदारी

देहरादून ■ एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सिविल सेवकों में मार्गदर्शक की भावना होनी चाहिए। उन्होंने सिविल सेवकों से समाज की बेहतरी और लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए शासन के उपकरण के रूप में नवाचार और पारदर्शिता को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नीतियां बनने के बाद, उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला गुरुवार को लाल बहादुर शास्त्री अकादमी मसूरी में आयोजित 127वें प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि लोग, विशेष रूप से जो हाशिए पर हैं, वे सिविल सेवकों की ओर उम्मीद से देखते हैं और ऐसे में अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे इन आशाओं को पूरा करने और समाज के सभी वर्गों के कल्याण में सार्थक योगदान देने के लिए करुणा, निष्पक्षता और कर्तव्य की मजबूत भावना के साथ कार्य करें।

लोक सभाध्यक्ष ने लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) का उल्लेख करते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों, सादगी और अखंडता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश करेंगे, प्रशिक्षण से उनका दृष्टिकोण व्यापक होगा और शासन के प्रति नए दृष्टिकोणों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के तीन स्तंभ हैं, जिनमें कार्यकारी शाखा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीतियां बनने के बाद, उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जीवन पर भी प्रकाश डाला।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सच्चा नेतृत्व ईमानदारी, निष्पक्षता और निरंतर सेवा में निहित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारी अक्सर जनता का गहरा विश्वास जीतते हैं। इतना कि तबादले के बाद भी लोग उन्हें प्यार से याद करते हैं। उन्होंने याद किया कि कई मामलों में उन्होंने देखा है कि जनता ऐसे अधिकारियों के समर्थन में खड़ी होती है, कभी-कभी राजनीतिक प्रतिरोध के बावजूद भी उन्होंने अधिकारियों को यह विश्वास आत्मसात करने के लिए प्रोत्साहित किया कि कोई भी काम छोटा नहीं होता और गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की मदद करने का हर प्रयास सार्वजनिक सेवा को सार्थक बनाता है।

उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति के आंसू पोंछने से भी अगले दिन और अधिक प्रतिबद्धता के साथ सेवा करने की नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारियों को लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए और लोगों के लिए लाभ सुनिश्चित करने के लिए अपने पास मौजूद सभी साधनों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर प्रशासनिक काम सही तरीके से किया जाए तो जनता को अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भारत की अद्वितीय विविधता-भाषाई, सांस्कृतिक, भौगोलिक और सामाजिक-का उल्लेख करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विविधताओं के बावजूद, देश ने सामूहिक भागीदारी और सहयोग पर आधारित एक मजबूत लोकतांत्रिक और प्रशासनिक प्रणाली का सफलतापूर्वक निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि इसी कारण से भारत वैश्विक लोकतंत्रों में सबसे अलग खड़ा है। यह देखते हुए कि लोक प्रशासकों की मुख्य जिम्मेदारी केवल नीतियों का कार्यान्वयन नहीं है, बल्कि सबसे हाशिए पर नागरिकों के जीवन में सार्थक बदलाव लाना भी है।

लोकसभा अध्यक्ष ने निरंतर सीखने और प्रशिक्षण के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से हर मुद्दे को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि न्याय दिलाना या किसी आम व्यक्ति के मुद्दे को सुलझाना न केवल आशीर्वाद अर्जित करता है बल्कि व्यक्ति के उद्देश्य की भावना को नवीनीकृत करता है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है यह अमृतकाल: गिरिराज सिंह

भागलपुर ■ एजेंसी

मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर भागलपुर के परिसदन में गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट जयराम विप्लव, क्षेत्रीय प्रभारी अनिल ठाकुर, जिला अध्यक्ष संतोष शाह, मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेई सहित पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के साथ आत्मनिर्भरता और वैश्विक विश्वास की नई इबारत लिखी है। यह अमृतकाल, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बालाकोट स्ट्राइक से लेकर तेजस, ब्रह्मोस, आईएनएस विक्रांत और एस-400 जैसे अत्याधुनिक संसाधनों से भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है। नक्सलवाद पर निर्णायक कार्रवाई से हिंसा में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि टेक्नोलॉजी के जरिए पारदर्शिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है।

24 लाख करोड़ से अधिक डिजिटल लेन-देन और 97 करोड़ इंटरनेट यूजर भारत की डिजिटल क्रांति का प्रमाण हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डीबीटी के माध्यम से 44 लाख करोड़ सीधे लाभार्थियों के खाते में भेजे गए। जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई। इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य हुए हैं।

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले राज ठाकरे एनडीए में शामिल होने के लगाए जा रहे कयास

मुंबई ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से गुरुवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने बांद्रा स्थित ताज लैंड्स एंड में मुलाकात की। इसके बाद मनसे के पदाधिकारी संदीप देशपांडे ने भी उद्योग मंत्री उदय सामंत से मुलाकात की है। इन मुलाकातों से मनसे के महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन में शामिल होने का संकेत मिलने लगे हैं।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मुलाकात गुरुवार को सुबह मुंबई के ताज लैंडस एंड नामक एक पांच सितारा होटल में हुई। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक चर्चा हुई। मुलाकात के बाद राज ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस बिना कोई प्रतिक्रिया दिए होटल से निकल गए। इसके बाद मुंबई में राजनीतिक गतिविधियां जोर पकड़ती नजर आईं। राज ठाकरे और फडणवीस की मुलाकात के कुछ देर बाद ही मनसे मुंबई शहर अध्यक्ष संदीप देशपांडे शिंदे गुट के नेता उदय सामंत के साथ बैठक में पहुंचे इन सभी घटनाक्रमों के चलते ऐसा लग रहा है कि राज ठाकरे और एनडीए गठबंधन के बीच फिर से बातचीत शुरू हो गई है।

इन चर्चाओं के बाद राज ठाकरे के आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में एनडीए गठबंधन से हाथ मिलाने की संभावना बढ़ गई है। इससे पहले विधानसभा चुनाव के दौरान राज ठाकरे और महायुति के बीच नजदीकियां बढ़ी थीं। चर्चा थी कि महायुति राज ठाकरे की मनसे के लिए एक सीट छोड़ेगी। हालांकि, शिंदे गुट ने माहिम विधानसभा क्षेत्र में सदा सरवणकर को मैदान में उतारा था, जहां से राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे चुनाव लड़ रहे हैं। इसके बाद राज ठाकरे की मनसे ने 125 विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे थे।

पिछले कुछ दिनों से शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच गठबंधन की जोरदार चर्चा की जा रही थी। आज मुख्यमंत्री फडणवीस और राज ठाकरे के बीच हुई मुलाकात के बाद शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच गठबंधन की चर्चाओं पर विराम लग गया है।

सीबीआई ने नेहू के प्रोफेसर को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा

गुवाहाटी। शैक्षणिक संस्थानों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (नेहू) के एक वरिष्ठ प्रोफेसर और गुवाहाटी के एक व्यवसायी को 3.43 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

हेलीकॉप्टर पर एक पायलट और दो एयर क्रू गोताखोरों वाली एक विशेष टीम को तैनात किया गया

सिंगापुर के कंटेनर पोत की आग बुझाने वायु सेना ने छिड़का 2600 किलो ड्राई केमिकल पाउडर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

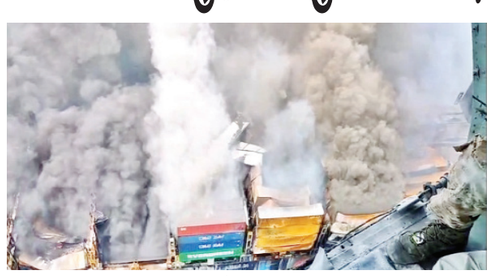

अरब सागर में सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर पोत वान हाई 503 में लगी आग को बुझाने के लिए अब भारतीय वायु सेना को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वायु सेना के एमआई 17वी5 हेलीकॉप्टर ने आज सुबह जहाज की आग बुझाने के लिए 2600 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर छिड़का।

यह एक ऐसी आग थी, जिसे पारंपरिक तरीकों से नियंत्रित नहीं किया जा सकता था। वायु सेना का हेलीकॉप्टर भारतीय तटरक्षक बल के साथ मिलकर अग्निशमन प्रयासों के लिए लगातार मिशन चला रहा है। सिंगापुर के ध्वज वाला कंटेनर पोत वान हाई 503 श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह से 06 जून को रवाना हुआ था, जिसे मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पहुंचना था। इस जहाज पर कुल 22 चालक दल के सदस्यों के साथ कंटेनर कार्गो थे। कोलंबो से न्हावा शेवा की ओर जा रहे जहाज ने 09 जून को सुबह लगभग 09.30 बजे डेक के नीचे विस्फोट होने और बाद में आग लगने की सूचना दी। उस समय यह जहाजकेरल के अझिक्कल से 44 समुद्री मील दूर था।

भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना के पांच जहाज मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। लगातार प्रयासों के चलते 10 जून की शाम तक आग की लपटें कम हो गईं। घने धुएं के बीच जहाज लगभग 10-15 डिग्री झुक गया और कंटेनर पानी में गिरने लगे। भारतीय तटरक्षक बल ने चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों के बावजूद सिंगापुर के जहाज पर अग्निशमन प्रयासों को जारी रखा। कामयाबी न मिलते देख आज सुबह भारतीय वायु सेना को आग बुझाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। हवाई अग्निशमन अभियान चलाने के लिए भारतीय वायु सेना के एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर पर एक पायलट और दो एयर क्रू गोताखोरों वाली एक विशेष टीम को तैनात किया गया।

मिशन के दौरान टीम ने 1,000 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर को सीधे आग पर छिड़का। जहाज की आग बुझाने के लिए अब तक 2600 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर छिड़का जा चुका है।

कार्यालय जिला चिकित्सा अधिकारी नर्मदापुरम (म.प्र.)
जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम- 461001

आवेदक शिवराज पटेल पिता श्री नंदकिशोर के द्वारा अधिसूचना प्रकाशित कराते हुए अपने नाम शिवराज के स्थान पर हर्ष पटेल किया जावे और इसके आधार पर कक्षा पहली से लेकर उच्च कक्षा के सभी शैक्षणिक/शालाएं अभिलेखों में परिवर्तित नाम हर्ष पटेल दर्ज कराने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। जो इस कार्यालय में विचाराधीन है, यदि इस प्रकार संबंधित द्वारा नाम परिवर्तन से किसी अन्य व्यक्ति के हित प्रभावित तो नहीं हो रहे हैं, अथवा इस नाम परिवर्तन से किसी आपराधिक प्रकरण पर कोई प्रभाव तो नहीं पड़ रहा, इस विज्ञापन के प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि में किसी को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो कार्यालय जिला चिकित्सा अधिकारी नर्मदापुरम कार्यालय पर आपत्ति दर्ज करावें।

शपथ पत्र का स्टाम्प क्रमांक - BT932879

जिला चिकित्सा अधिकारी, नर्मदापुरम

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग खण्डवा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा विकसित कालोनी विश्व बैंक परियोजना जसवाड़ी रोड खण्डवा में स्थित भवन/भूखण्ड क्रमांक **EWS-268** मंडल द्वारा श्री हेमराज सोनी पिता श्री आत्माराम सोनी के नाम आवंटित है। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 05.05.2008 को पंजीकृत है। श्री हेमराज सोनी की मृत्यु दिनांक 06.01.2025 को हो जाने से इनकी पत्नि श्रीमती माहेश्वरी सोनी पति स्व. श्री हेमराज सोनी द्वारा अपनी संतानों में पुत्री कु. प्रिती सोनी, कु. कृतिका सोनी एवं कु. गुंजन सोनी सभी पिता स्व. श्री हेमराज सोनी का सहमती पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति अपने नाम से नामांतरण करने हेतु आवेदन किया गया है।

श्री हेमराज सोनी की मृत्यु उपरांत इनकी पत्नि श्रीमती माहेश्वरी सोनी पति स्व. श्री हेमराज सोनी के नाम से प्राप्त आवेदन अनुसार नामांतरण करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति /उत्तराधिकारी/वित्तीय संस्था/परिवार के सदस्य इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रुप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मंडल नियमानुसार कार्यवाही करने को स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधो, विकास मंडल
संभाग खण्डवा

कार्यालय प्राचार्य अग्रणी शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम (मप्र)

फोन/फैक्स : 07574-254072
महाविद्यालय कोड-3202
www.mp.gov.in/highereducation/hoshangabad
ईमेल : Email : heghsgpgchos@mp.gov.in
महाविद्यालय वि.वि. कोड-147
NAAC Grade - B++

क्रमांक 1557/स्था./2025 नर्मदापुरम, दिनांक 12 /06 /2025

निविदा आमंत्रण

इस महाविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में कला, वाणिज्य, विज्ञान, गृहविज्ञान एवं विधि की पुस्तकों की निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म महाविद्यालय की वेब- साईट https://govthomescience-colegehbd.com/default.aspx के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित निविदा की निर्धारित शर्तो का पालन करते हुए अपनी निविदा प्रकाशन की तिथि से 21 दिवस तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है।

प्राचार्य
शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN COMPANY LTD.
(A Govt. of M. P. Undertaking)
Office of The Dy.General Manager (O&M) Division
Office add. : Dy. G.M. (O&M) Harda (North) Pratap Talkies, Harda
Phone No. : 07577-222222, Fax No. : 07577-222222, E-Mail : hdampeb@gmail.com
No. :/DGM/PUR/2305 Dated : 04.06.2025

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations :-

Name of Unit/Office	Particulars	EMD (Rs.)	Due Date of Submission of offer	Opening Date & Time
Office of The-Harda North Division.	01 Number Vehicle Type-C Mini Pickup (Double Cabin) With Ladder for Harda Town Zone, there is a need for commercial vehicle for FOC work.	500/-	14.06.2025 Up to 03.00 P.M.	14.06.2025 at 04.00 P.M.

Other details, terms and conditions are available on Company **Website : https://portal.mpcz.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/120605/2025 **DGM (NORTH)**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के आयोजन की तैयारी हेतु बैठक सम्पन्न

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम की अध्यक्षता में गत दिवस 11 जून 2025 को बैठक आयोजित की गई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारी पर चर्चा की गई। बैठक में परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण, जिला आयुष अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र, मुख्य नगरपालिका अधिकारी और प्राचार्य अग्रणी महाविद्यालय उपस्थित थे।

नर्मदापुरम जिले में 21 जून 2025 को सामूहिक योग का वृहद आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में आयोजित होगा, और विकासखंड और ग्राम स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा, तिलक सिंदूर और योगा पार्क पंचमढ़ी में भी योग कार्यक्रम आयोजित होंगे।

16 जून 2025 को नेहरू पार्क नर्मदापुरम में पूर्व योगाभ्यास आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे 16 जून को नेहरू पार्क और 21 जून को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में आकर योगाभ्यास करें और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें।

सीहोर के बुदनी के पास अमरगढ़, दिगंबर झरना एवं कालियादेव स्थल पर सैलानियों का जाना प्रतिबंधित

15 जून से 15 अक्टूबर तक पर्यटकों तथा आम नागरिकों का प्रवेश प्रतिबंधित किया

बुदनी ■ निसं

बारिश के दौरान सीहोर जिले के अनेक झरनों में बीते वर्षों में हुई दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए तथा संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम की दृष्टि से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बाला गुरु के ने अमरगढ़ वॉटरफॉल, दिगंबर वॉटरफॉल तथा कालियादेव वॉटरफॉल पर 15 जून से 15 अक्टूबर 2025 तक पर्यटकों तथा आम नागरिकों का प्रवेश प्रतिबंधित किया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बालागुरू के. ने द्वारा जारी आदेशानुसार सीहोर जिले के बुधनी तहसील स्थित अमरगढ़ वाटरफॉल एवं दिगम्बर वॉटरफॉल और इछावर तहसील स्थित कालियादेव वॉटरफॉल स्थानों पर वर्षा काल के दौरान कई बार पहाड़ो से अचानक पानी बढ़ने, कुण्ड गहरा एवं फिसलन भरा होने से नहाते समय सैलानियों का जीवन खतरे में आ जाता है। कई बार सैलानी रास्ता भी भटक जाते हैं। इसके साथ ही बचाव कार्यों में लगे सुरक्षा बल के जवानो

के लिए भी यह अत्याधिक जोखिम पूर्ण हो जाता है। इस बात को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर बालागुरू के. ने इन स्थानों पर वर्षाकाल के दौरान प्रतिबंधित किया गया है। सैलानियों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया है।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री बालागुरू के. द्वारा जारी आदेशानुसार कोई भी एजेंसी या व्यक्ति इन स्थानों पर सैलानियों को नही ले जा सकता। इसके साथ ही कोई भी व्यक्ति या संस्था इन स्थानों जाने के लिए किसी भी पर्यटक को प्रोत्साहित भी नही कर सकता। इन स्थानों पर चार पहिया, दो पहिया और ट्रैक्टर आदि वाहनों को भी प्रतिबंधित किया गया है।

आसपास के ग्रामवासी तथा अन्य व्यक्ति इन स्थानों पर जाने वाले पर्यटकों को टूरिस्ट गाइड के रूप में या अन्य रूप में कोई भी संसाधन उपलब्ध नहीं करायेगें। इस आदेश के उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 क के तहत कार्यवाही की जायेगी। यदि इस आदेश के उल्लंघन की जानकारी किसी नागरिक के संज्ञान में आती है तो वह इसकी सूचना संबंधित क्षेत्र के एसडीएम या थाना प्रभारी को दे सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि के लिए मत्स्याखेट को प्रतिबंधित किया

नर्मदापुरम। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने 16 जून 2025 से 15 अगस्त 2025 तक की अवधि में मत्स्याखेट को प्रतिबंधित किया है। तत्संबंध में कलेक्टर ने आदेश जारी कर बताया है कि मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 (2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है। इस अवधि में मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य विपणन पूर्णत : प्रतिबंधित है। मध्यप्रदेश शासन, मछलीपालन विभाग के निर्देशानुसार छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नही है ओर जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नही लाया गया है, को छोडकर समस्त नदियों व जलाशयों में बंद ऋतु में मत्स्याखेट पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने जारी आदेशा में कहा है कि उपरोक्त प्रावधानों के उल्लंघन की दशा में मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम 1981 की धारा 5 के अंतर्गत उल्लघंनकर्ता को एक वर्ष तक का कारावास या पांच हजार रूपये तक का जुर्माना या दोनो से दंडित किये जाने का प्रावधान है।

हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की द्वितीय परीक्षा के लिए कलेक्टर ने लगाई अधिकारियों की ड्यूटी

नर्मदापुरम। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की द्वितीय परीक्षा 17 जून 2025 से 5 जुलाई 2025 तक प्रात : 9-00 बजे से दोपहर 12-00 बजे तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षाएं जिले के कुल 19 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होंगी। परीक्षा की सुचारु एवं सुरक्षित संचालन हेतु कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा कलेक्टर प्रतिनिधियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षा सामग्री का वितरण कलेक्टर द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि, तहसील नर्मदापुरम नगर के श्री देव शंकर धुर्वे के मार्गदर्शन में किया जाएगा। यह सामग्री सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित कलेक्टर प्रतिनिधियों को सौंपी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम तहसील अंतर्गत 5 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इसी प्रकार तहसील इटारसी अंतर्गत 1, तहसील माखननगर अंतर्गत 2, तहसील सोहागपुर अंतर्गत 4, तहसील पिपरिया अंतर्गत 2, तहसील बनखेड़ी अंतर्गत 1, तहसील सिवनी मालवा अंतर्गत 3 एवं तहसील इटारसी केसला अंतर्गत 1 केंद्र निर्धारित किये गये है।

संकुल स्तरीय संघों के समग्र क्षमता वर्धन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत नर्मदापुरम द्वारा संकुल स्तरीय संघों (सीएलएफ) के पदाधिकारियों की क्षमता संवर्धन एवं संस्थागत विकास के उद्देश्य से श्री प्रतीक राव मुख्य कार्यपलन अधिकारी जिलए पंचायत नर्मदापुरम के निर्देश में पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 09 जून 2025 से 13 जून 2025 तक माखन नगर स्थित सामुदायिक प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया जा रहा है।

भाजपा सांसदों, विधायकों का पचमढ़ी में 3 दिनी प्रशिक्षण वर्ग कल से - केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे शुभारंभ

संगठन की पाठशाला में भाजपा के चाणक्य राजनीति के कुछ गुरु मंत्र देंगे

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

पचमढ़ी केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह मध्य प्रदेश के भाजपा सांसदों, विधायकों के पचमढ़ी में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग का 14 मई को शुभारंभकरेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी डी शर्मा और पार्टी के प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे। जानकारों का मानना है कि संगठन की पाठशाला में भाजपा के चाणक्य राजनीति के कुछ गुरु मंत्र देंगे।

पचमढ़ी में शनिवार 14 जून से सोमवार 16 जून तक प्रदेश के सभी भाजपा के सांसद-विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के व्याख्यान से होगा तो वहीं प्रशिक्षण वर्ग के आखिरी दिन, 16 जून को, भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष आएंगे। पता चला है कि संतोष भाषण नहीं देंगे, वे सिर्फ सांसदों और विधायकों के सवालों का जवाब देंगे और उनकी जिज्ञासाओं को शांत करेंगे। इसी दिन केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटील सांसदों और विधायकों को वक्तृत्व कौशल, सामाजिक और मोबाइल शिष्टाचार का पाठ पढ़ाएंगे। इस प्रशिक्षण वर्ग में एक सत्र आर.एस.एस. की विचारधारा पर भी होगा। इसमें हमारा विचार परिवार, पंच परिवर्तन और शताब्दी वर्ष की योजना पर स्वप्निल कुलकर्णी संबोधित करेंगे। म.प्र. के संदर्भ में विकसित भारत और मोदी सरकार के परिवर्तनकारी कदमों पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का संबोधन भी होगा।

सभी सांसद-विधायकों को भेजे गए कार्यक्रम के मुताबिक, सभी को रोजाना सुबह 6 बजे अनिवार्य रूप से उठना होगा। एक घंटा तैयार होने के लिए मिलेगा। इसके बाद सुबह 7 बजे से 7:45 बजे तक योग और प्रार्थना होगी। हर दिन चार प्राणायाम सत्र होंगे। सभी सांसद-विधायकों को 13 जून की रात को ही पचमढ़ी पहुंचने को कहा गया है।

प्रशिक्षण वर्ग में शिवप्रकाश सांसद-विधायकों को समन्वय का पाठ पढ़ाएंगे। इसमें उन्हें अन्य संगठनों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्वयं के परिवार के साथ तालमेल बिठाने और आपसी समन्वय बनाकर काम करने की सीख दी जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के वकील रहे व केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव लोक व्यवहार और टाइम मैनेजमेंट का पाठ पढ़ाएंगे। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह हमारा विचार व पंच प्रण पर बात करेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा पार्टी की कार्यपद्धति से सांसद-विधायकों को अवगत कराएंगे। प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के व्याख्यान से होगी। शाह जनसंघ से भाजपा की विकास यात्रा के बारे में विस्तार से अपनी बात रखेंगे। पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल पार्टी के भविष्य की रणनीति और कार्य विस्तार की दृष्टि विषय पर अपनी बात रखेंगे। इस सत्र में सामाजिक और भौगोलिक चुनौतियों पर भी बात होगी। खासकर एस.सी. एस.टी. प्रभाव वाली विधानसभा और लोकसभा सीटों के समीकरणों पर तीन समानांतर सत्र होंगे। इस सत्र को प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह संबोधित करेंगे।

निर्वाचन क्षेत्र प्रबंधन, नवाचार और आगामी चुनौतियों को लेकर मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता, डिप्टी सी.एम. राजेंद्र शुक्ल और केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक तीन अलग-अलग समूहों में बात रखेंगे। सोशल मीडिया और मीडिया में स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विमर्श पर सांसद-विधायक कैसे बात करें, क्या बात करें और किन मुद्दों पर खामोश रहें, इस पर एक बड़ा सत्र होगा। इसे महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े संबोधित करेंगे। सभी सत्रों में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मौजूद रहकर अपनी बात कहेंगे।

संगठन से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बीजेपी का प्रशिक्षण शिविर में कुल तीन सत्र आयोजित किए जाएंगे. पहले सत्र में पार्टी की विचारधारा %हमारा विचार और पंच निष्ठा% पर चर्चा होगी, जिसमें प्रदेश प्रभारी महेन्द्र सिंह और वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव मार्गदर्शन देंगे. दूसरे सत्र में बीजेपी की कार्यपद्धति पर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और सांसद बंशीलाल गुर्जर जानकारी साझा करेंगे. तीसरे और अंतिम सत्र में स्वप्निल कुलकर्णी तथा प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी द्वारा पार्टी की शताब्दी वर्ष योजना और पंच परिवर्तन विषय पर प्रस्तुति दी जाएगी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 14 जून से पचमढ़ी में प्रारंभ होने वाले सांसदों एवं विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर जिले में संगठन के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। भाजपा नेताओं ने प्रशिक्षण स्थल की तैयारियों का जायजा भी लिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता विजय दुबे, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संभाग प्रभारी पंकज जोशी, संभागीय प्रभारी सीमा सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, क्षेत्रीय विधायक ठाकुर दास नागवंशी, निवर्तमान जिला अध्यक्ष विधायक ठाकुर दास नागवंशी, भाजपा नेता संदेश पुरोहित, संतोष पारिख, अभय प्रताप, विजय अटवाल, कमल धूत, प्रशांत हरने, आदि प्रदेश व जिले के उन वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया, जिनको प्रशिक्षण वर्ग संयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियां प्रदेश भाजपा संगठन द्वारा दी गई हैं। इन नेताओं ने प्रशिक्षण वर्ग की व्यवस्थाओं की विस्तृत रूप से समीक्षा की।

तीन ग्रुपों में बांटा जाएगा

दूसरे दिन के प्रशिक्षण में नेताओं को विधानसभा क्षेत्रों में प्रबंधन, चुनावी इनोवेशन और सदन में बेहतर भूमिका निभाने को लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा. विधायकों और सांसदों को अनुभव के आधार पर तीन ग्रुपों में बांटा जाएगा। पहले ग्रुप में पहली और दूसरी बार के विधायक होंगे, जिन्हें सुधीर गुप्ता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीताशरण शर्मा संबोधित करेंगे. दूसरे ग्रुप में वरिष्ठ विधायक होंगे, जिनसे उपमुख्यमंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ला, विधायक प्रदीप लारिया और हरिशंकर खटीक संवाद करेंगे। तीसरे ग्रुप में राज्यसभा और लोकसभा सांसद होंगे, जिनसे केंद्रीय मंत्री वीरेन्द्र खटीक और राज्य मंत्री दुर्गादास उईके मार्गदर्शन करेंगे।

क्यों जरूरत पड़ी प्रशिक्षण वर्ग की

बता दें कि पिछले दिनों राज्य के मंत्री विजय शाह और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिए गए बयान को लेकर पार्टी की काफी छीछालेदारी हुई। कई मामलों में पार्टी को बचाव की मुद्रा में आना पड़ा। इसी प्रकार कई फोरम पर विधायकों द्वारा दिए गए वक्तव्य से पार्टी को बैक फुट पर आना पड़ा। माना जा रहा है कि इन सब बातों को देखते हुए और सांसदों और विधायकों को प्रशिक्षित करने की दृष्टि से यह प्रशिक्षण वर्ग विशेष तौर पर आयोजित किया गया है।

नगर पालिका की जनसुनवाई में श्री समर्पण श्री संस्था ने दिया 8 सूत्री मांगों का ज्ञापन

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

आज नगर पालिका हर गुरुवार को 11 बजे से 2 बजे तक जनसुनवाई कर रही है । जिसमें आज श्री समर्पण श्री के कार्यकर्ताओं ने अपना 8 सूत्रीय मांगों को लेकर नगरपालिका सीएमओ को ज्ञापन देने पहुंचे थे, लेकिन सीएमओ मैडम को जनसुनवाई में रुचि न होना प्रदर्शित हुआ, सीएमओ मैडम अपने चैंबर में जनसुनवाई न कर जन्मदिन का केक कटवाने और खाने में व्यस्त थी बाहर कड़ी धूप में श्री समर्पण श्री के कार्यकर्ता नगर की समस्याओं को लेकर ज्ञापन देना चाहते थे

लेकिन एसी कक्ष का मोह सीएमओ मैडम से नहीं छूटा और वो अपने चैंबर से बाहर नहीं निकल पाई, अगर सीएमओ का ऐसा ही रवैया रहा तो आप समझ सकते है कि नगर की व्यवस्था कैसी होगी इस पर एक कहावत चरितार्थ होते दिख रही है, यथा राजा तथा प्रजा।

कड़ी धूप में श्री समर्पण श्री के कार्यकर्ता बाहर नारेबाजी करते रहे लेकिन नगर की समस्याओं से सीएमओ को कोई मतलब नहीं है, यह कहना है श्री समर्पण श्री के सदस्य स्वदेश सैनी का कही न कही नगर के लिए अच्छे संकेत नहीं है, अगर सीएमओ से नगर से मतलब ही नहीं है तो ये अपना ट्रांसफर ही करवा ले। इसके बाद श्री समर्पण श्री के कार्यकर्ता नगरपालिका के लेखपाल अधिकारी योगेश सोनी को दिया साथ ही नगर की व्यवस्थाओं को ठीक करने का आग्रह किया, अगर 7 दिन में व्यवस्था ठीक नहीं हुई तो श्री समर्पण श्री अपना आंदोलन जारी रखेगी। ज्ञापन देने वाले में स्वदेश सैनी, अतुल जोशी, रहमान खान, विशाल चावरिया, राज खिल्लारे, राजू आशरे, दीपक मंन्द्रे, रितेश मालवीय, आदर्श राजपूत, गोलू राजपूत, राहुल राव, अनिल, अयान कुर्रेसी, अनुज सोनी व अन्य श्री समर्पण श्री के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में तहसील, अनुविभाग और ब्लॉक स्तर पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ई ऑफिस प्रणाली का विस्तृत प्रशिक्षण श्री मनीष गुणवान, डीआईओ एनआईसी एवं श्री संदीप चौरसिया, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस द्वारा प्रदाय किया गया। प्रशिक्षण में समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), समस्त तहसीलदार, समस्त नायब तहसीलदार, समस्त सहायक ई - गवर्नेंस प्रबंधक एवं उनके स्टाफ को मिलकर लगभग 85 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांसद दर्शन सिंह ने मुख्यमंत्री से मूंग खरीदी का किया आग्रह

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

आज भोपाल मुख्यमंत्री निवास पर समत्व भवन में प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने गुरुवार को मुलाकात की। इस दौरान सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सम सम्यक विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री से ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन का आग्रह किया।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को याद दिलाया कि आपने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं को गति प्रदान की है, आपने प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत संकल्प की पूर्ति के लिए सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना के माध्यम से किसानों को अन्नदाता से ऊर्जा बनाने के लिए कार्य किया है। आपने कृषि आधारित उद्योगों को स्थापित करने के लिए किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिये है। उनका दीर्घकालीन लाभ किसानों को प्राप्त होगा। इसके साथ ही किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ पहुंचने के लिए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मूंग खरीदी प्रारंभ करने आग्रह किया।

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले ने की सुनवाई

नपाध्यक्ष और सीएमओ करेंगी शिकायतों के निराकरण की समीक्षा

पहले दिन नपा की जनसुनवाई में आए 20 आवेदन

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नगरपालिका परिषद द्वारा नागरिकों की समस्याओं के निराकरण करने हेतु आज से प्रत्येक गुरूवार को जनसुनवाई शुरू की गई है। नगरपालिका में जनसुनवाई के पहले दिन 20 से अधिक आवेदन आए। जिनका विधिवत निराकरण किया गया। कुछ निर्माण कार्य से संबंधित शिकायतें थीं उन शिकायतों

को प्रोसेस में लिया गया है। जल्द ही उन समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर एवं पहल पर आज से प्रत्येक गुरूवार को नगरपालिका में जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। आज की जनसुनवाई में उपयंत्री महेंद्र सिंह तोमर, दीक्षा तिवारी, आयुषी रिछारिया, रीना गुप्ता, सिटी मैनेजर दिव्या मिश्रा सहित नगरपालिका की समूची टीम उपस्थित रहीं।

जन्म प्रमाण पत्र बनाकर दिया: कई दिनों से एक व्यक्ति अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र को बनाने के लिए भटक रहा था। आज जैसे ही जनसुनवाई में पहुंचा और यह बात जब नपाध्यक्ष और सीएमओ तक पहुंची तो उन्होंने तत्काल उस बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनाकर देने के निर्देश दिए। पिता संतोष भार्गव अपने बच्चे आयुष भार्गव का तत्काल प्रभाव से जन्म प्रमाण पत्र बनाकर दिया। वहीं एक वार्ड 28 की हितग्राही पट्टा की समस्या लेकर आई उसे जांच करने के उपरांत कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके अलावा सफाई अभियान, अतिक्रमण आदि समस्याओं का आज निराकरण किया गया।

अधिक से अधिक लोगों को लाभ हो

आज से शुरू हुई जनसुनवाई का अच्छा रिस्पांस मिला है। अधिकांश समस्याओं का तत्काल निराकरण कर दिया गया हैं। कुछ समस्याएं हैं जिनका विधिवत निराकरण किया जाएगा। आए आवेदनों की समीक्षा की जाएगी। हमारा मानना है कि नागरिकों की अधिक से अधिक समस्याओं का निराकरण हो। नगर के नागरिकों से आग्रह है कि वे जनसुनवाई में आकर अधिक से अधिक अपनी समस्याओं का समाधान कराएं।

नीतू महेंद्र यादव
अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद नर्मदापुरम

युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला सम्पन्न

रोजगार मेले में 197 छात्र-छात्राएं हुए लाभान्वित

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय इटारसी में युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का सफल आयोजन हुआ। उक्त कार्यक्रम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सीता शरण शर्मा, विधायक नर्मदापुरम, और जय किशोर चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने दीप प्रज्वलन, सरस्वती पूजन और माल्यार्पण किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा ऋण वितरण एवं ऑफर लेटर वितरण किया गया । उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित किया एवं मेला प्रभारी टी प्रतीक राव अनुविभागीय अधिकारी ने बच्चों से आमने-सामने बात करके बच्चों को रोजगार एवं स्वरोजगार के बारे में जानकारी दी एवं बच्चों से भी उन्होंने अपने विचार साझा किये । इस अवसर पर श्रीमती बबीता राठौर डिप्टी कलेक्टर ने भी बच्चों को उद्बोधन दिया । कार्यक्रम में सुश्री प्रियंका भलावी डिप्टी कलेक्टर ने बच्चों को रोजगार के लिए प्रेरित किया । ब्रजेन्द्र राव सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा भी बच्चों को मार्गदर्शन दिया गया ।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) ।